दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

पब्लिक प्लेस पर जब फील हो ......

बाईपोलर डिसऑर्डर ......

वर्ष : 11 | अंक : 99 | लखनऊ, 28 मार्च, शुक्रवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

आस्था आर्थिक विकास को गति दे सकती है

अपनी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी में बोले सीएम योगी

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पिछले आठ वर्षों में अपनी सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने में आस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। धार्मिक गलियारों के विकास के बारे में बोलते हुए, सीएम योगी ने उल्लेख किया कि मां विंध्यवासिनी का गलियारा पहले ही लाखों आगंतुकों को आकर्षित कर चुका है, जो क्षेत्र के विकास में योगदान दे रहा है।

कार्यक्रम में बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ₹आस्था आर्थिक विकास का आधार भी बन सकती है या महाकुंभ ने इसका मार्ग प्रशस्त किया और मैं आपको बधाई देता हूं, मां विंध्यवासिनी का कॉरिडोर बनने के बाद लाखों सरदार वहां आए हैं और मैं आप सभी को श्रद्धा के साथ आने के लिए धन्यवाद देता हूं।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹गंगा एक्सप्रेसवे देश का अब तक का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे है, मेरठ से प्रयागराज के बीच। हमने तय किया है कि हम एक सर्वे कराएंगे और मां विंध्यवासिनी धाम को बाबा विश्वनाथ धाम से जोड़ेंगे। इस एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाना चाहिए।₹

उन्होंने गंगा एक्सप्रेसवे के महत्व पर भी जोर देते हुए इसे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे बताया, जो मां विंध्यवासिनी धाम और बाबा विश्वनाथ धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ेगा, जिससे कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, कनेक्टिविटी इतनी अच्छी होगी, अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने की इतनी अच्छी संभावना बनेगी। इस 8 साल के जनपती महोत्सव के माध्यम से आप देख रहे होंगे कि यह जो प्रदर्शनी लगी है, इसके माध्यम से आप सभी को एक झलक मिल रही होगी और आपने देखा होगा कि जब आप अच्छे लोगों को चुनकर भेजते हैं, तो मिजार्पुर में मेडिकल कॉलेज भी बन गया, मां विंध्यवासिनी का कॉरिडोर भी बन गया।

योगी ने कहा कि नई पीढ़ी के जो लोग ग्रेजुएशन कर चुके हैं, जब उन्हें डिग्री मिलेगी, तो माता-पिता भी उसमें भागीदार होंगे। आपको विंध्यवासिनी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने मिजार्पुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और उनकी सरकार के नेतृत्व में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास पर भी गर्व व्यक्त किया। उन्होंने लोगों को सुशासन का समर्थन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे उनका मानना है कि राज्य के समग्र विकास में योगदान मिलेगा।

ताजा उग्रवादी समूह अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके जम्मू कश्मीर में घुसा!

● कठुआ मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी घायल, चार दिनों से चल रहा है तलाशी अभियान

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में गुरुवार को आतंकवादियों के साथ हुई ताजा मुठभेड़ में एक पुलिस उपाधीक्षक सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। यहां पिछले चार दिनों से व्यापक आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद आज सुबह कठुआ के जुथाना इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने रविवार शाम को पहली बार देखे गए एक आतंकवादी समूह से संपर्क फिर से स्थापित किया। सुबह उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षा बलों ने राजबाग के घाटी जुथाना इलाके में जाखोले गांव के पास आतंकवादियों को देखा, जो हीरानगर सेक्टर में रविवार को हुई मुठभेड़ के घटनास्थल से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती गोलीबारी में एक अधिकारी समेत दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि उस इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया है जहां सुरक्षा बलों और संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों के बीच गोलीबारी जारी है। माना जा रहा है कि ये आतंकवादी वही समूह हैं जो पिछले रविवार (23 मार्च) शाम को जिले के हीरानगर सेक्टर में मुठभेड़ के बाद भाग निकले थे। लगभग आधा दर्जन आतंकवादियों के एक समूह को सबसे पहले एक स्थानीय दंपति गणेश और उनकी पत्नी ज्योति ने देखा, जो जलाऊ लकड़ी इकट्ठा कर रहे थे। चूंकि यह गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है, इसलिए माना जा रहा है कि आतंकवादी एक नया समूह है जो सीमा पार से आया है। पिछले पांच दिनों से, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के नेतृत्व में सुरक्षा बल और पुलिस लगातार हीरानगर सेक्टर के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 26.c

न्यूनतम तापमान 11.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 78,271.28

निफटी 23,696.30

भारत, चीन संबंधों को फिर से सुधारने का प्रयास कर रहे हैं: विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और चीन 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों से तनाव के बाद संबंधों को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि तनावपूर्ण संबंध किसी भी पक्ष के लिए फायदेमंद नहीं होंगे। प्रमुख थिंक-टैंक एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में जयशंकर ने कहा कि निकट भविष्य में भी भारत और चीन के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें विवाद नहीं बनना चाहिए। गलवान घाटी में हुई झड़पों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ, वह वास्तव में रिश्ते के लिए बहुत अफसोसजनक था। एशिया सोसाइटी के अध्यक्ष और सीईओ तथा दक्षिण कोरिया के पूर्व विदेश मंत्री क्यूंग-व्हा कांग द्वारा संचालित सत्र में उन्होंने कहा, यह केवल टकराव नहीं था, यह लिखित समझौतों की अवहेलना थी...जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनसे काफी दूर चले गए।

जयशंकर ने कहा, हम अभी भी इसके कुछ हिस्सों से निपट रहे हैं, ऐसा नहीं है कि यह मुद्दा पूरी तरह से खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल अक्टूबर से भारत-चीन संबंधों में कुछ सुधार हुआ है।

'ये देश कोई धर्मशाला नहीं, घुसपैठियों पर सख्ती जरूरी'

इमिग्रेशन बिल पर संसद में बोले अमित शाह

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा ने 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' को पारित किया। बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि हमारे देश में कौन आता है और कितने समय के लिए आता है, देश की सुरक्षा के लिए यह जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि पांच हजार साल से प्रवासियों के बारे में भारत का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग रहा है, इसलिए किसी शरणार्थी नीति की हमें जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक से भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का हमारा सपना पूरा होने वाला है।

शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों को देश में घुसने नहीं दिया जाएगा। देश कोई धर्मशाला नहीं है। अगर कोई देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए देश में आता है, तो उसका हमेशा स्वागत है। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत एक चमकता हुआ केंद्र बन गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग का हब बन गया है और दुनिया भर से लोगों का भारत आना स्वाभाविक है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि निजी लाभ के लिए और देश को असुरक्षित बनाने के लिए भारत में शरण लेने वालों की संख्या भी बढ़ी है। रोहिंग्या हों या बांग्लादेशी, अगर वे भारत में अशांति फैलाने के लिए आते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, भू-राजनीतिक राष्ट्र नहीं। फारसी लोग भारत आए और आज देश में सुरक्षित हैं। दुनिया का सबसे छोटा अल्पसंख्यक समुदाय भारत में ही सुरक्षित है। यहूदी इजरायल से भागकर भारत में ही रह गए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में पड़ोसी देशों के छह उत्पीड़ित समुदायों के लोग CAA के जरिए देश में शरण ले रहे हैं।

अमित शाह ने कहा कि आव्रजन कोई अलग मुद्दा नहीं है। देश के कई मुद्दे इससे जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह जानना बहुत जरूरी है कि देश की सीमा में कौन घुसता है। हम उन लोगों पर भी कड़ी नजर रखेंगे जो देश की सुरक्षा को खतरे में डालेंगे। वहीं, भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसकी सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य अतिथियों का सम्मान करने के साथ सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

नड्डा ने बिहार के भाजपा सांसदों से मुलाकात कर विधानसभा चुनावों पर चर्चा की

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बुधवार को यहां बिहार के सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से मुलाकात की और राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों पर विचार-विमर्श किया। भाजपा सांसद संजय जायसवाल द्वारा आयोजित स्नेह मिलन में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी, जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा समेत राज्य के अधिकांश सांसद शामिल हुए।

संभल शाही जामा मस्जिद के अध्यक्ष को बड़ा झटका

अंतरिम जमानत याचिका खारिज

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, स्थानीय अदालत ने गुरुवार को शाही जामा मस्जिद के अध्यक्ष जफर अली की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी और उनकी नियमित याचिका पर 2 अप्रैल को सुनवाई तय की। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश द्वितीय निर्भय नारायण राय ने अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई की और इसे खारिज कर दिया, अतिरिक्त जिला सरकारी वकील हरिओम प्रकाश सैनी ने बताया। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान अली के वकील ने अंतरिम जमानत की दलील दी, लेकिन अभियोजन पक्ष ने इसका विरोध करते हुए उन पर भीड़ इकट्ठा करने, हिंसा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और तथ्यों को गढ़ने जैसे गंभीर आरोपों का हवाला दिया। सैनी ने बताया कि दलीलों के आधार पर अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया और नियमित जमानत याचिका पर 2 अप्रैल को सुनवाई तय की।

अली को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उनसे 24 नवंबर को मुगलकालीन मस्जिद के कोर्ट के आदेश पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में पूछताछ की गई थी। उसी दिन चंदौसी की एक अदालत ने अली की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में मुरादाबाद जेल भेज दिया था। अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 191(2) और 191(3) (दंगा), 190 (सामान्य उद्देश्य के लिए किए गए अपराध के लिए गैरकानूनी सभा का प्रत्येक सदस्य दोषी), 221 (सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में लोक सेवक को बाधा पहुंचाना), 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य), 132 (लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 230 (मृत्युदंड योग्य अपराध के लिए दोषसिद्धि हासिल करने के इरादे से झूठे साक्ष्य देना या गढ़ना) और 231 (आजीवन कारावास या कारावास से दंडनीय अपराध के लिए दोषसिद्धि हासिल करने के इरादे से झूठे साक्ष्य देना या गढ़ना) शामिल हैं।

वक्फ को लेकर बिहार में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन

वक्फ संपत्तियों को उद्योगपतियों को सौंपना चाहती है सरकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 समेत विभिन्न मुद्दों पर बिहार विधानसभा के बाहर विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता अजीत शर्मा ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक वापस लिया जाना चाहिए। बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है और सभी अधिकारियों की जांच होनी चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राजद विधायक मुकेश कुमार यादव ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 एक विशिष्ट व्यक्ति और समुदाय के खिलाफ एक निषेध है। सरकार वक्फ संपत्तियों को कुछ उद्योगपतियों को सौंपना चाहती है। राजद विधायक ने आगे कहा कि जैसे रेलवे और एयरवेज का निजीकरण किया गया, वैसे ही वह देश की सारी संपत्तियों को कुछ निजी संस्थाओं को सौंपना चाहती है। राजद और विपक्ष इस विधेयक के खिलाफ है और अगर यह संसद में पारित हो भी जाता है तो लालू यादव और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद इसे जमीनी स्तर पर लागू नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि हम हर समुदाय के अधिकार की लड़ाई लड़ते हैं।

उत्तराखंड में अवैध दरगाहों पर चल रहा बुलडोजर

अब तक 100 से ज्यादा मदरसे सील

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

देहरादून, उत्तराखंड सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को अवैध मदरसों के वित्तपोषण के स्रोतों का पता लगाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अवैध दरगाहों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन भी तेजी से चलाया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गयी है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मदरसों और दरगाहों का पक्ष लिया है तो भाजपा ने उन पर तीखे सवाल उठाये हैं। हम आपको यह भी बता दें कि उत्तराखंड सरकार ने राज्य में 100 से अधिक अवैध मदरसों को सील कर दिया है। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों की ओर से अवैध मदरसों को मिल रही फंडिंग की जांच के जो आदेश दिये गये हैं उसके बारे में बताया जा रहा है कि इस दौरान यह पता लगाया जाएगा कि मदरसों को किन स्त्रोतों से धनराशि मिल रही थी और वे किस उद्देश्य से इसका इस्तेमाल कर रहे थे। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कहीं इन मदरसों को हवाला के माध्यम से तो पैसा नहीं मिल रहा था। बताया जा रहा है कि अधिकारियों को जांच कर अपनी रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपने के लिए कहा गया है। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाल ही में कहा था कि राज्य में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा था, बड़े पैमाने पर अवैध मदरसों का संचालन गंभीर मामला है। इसकी जांच के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद राज्य में पिछले महीने शुरू किये गये अभियान के तहत अब तक 136 अवैध मदरसों को सील किया गया है। उधम सिंह नगर जिले में सबसे अधिक 64 मदरसे सील किये गये, जबकि देहरादून में 44, हरिद्वार में 26 और पौड़ी में दो मदरसों को सील किया गया है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य में 500 से अधिक अवैध मदरसे मदरसा बोर्ड से संबद्धता के बिना संचालित किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड में पंजीकृत मदरसों की संख्या 450 है और ये प्रशासन को बैंक खाते का विवरण और अपने खर्चों का रिकॉर्ड जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराते हैं।

दूसरी ओर भाजपा ने उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का विरोध करने पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को आड़े हाथ लेते हुए कहा है कि कांग्रेस नेता तुष्टीकरण की राजनीति करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। भाजपा की उत्तराखंड इकाई के प्रवक्ता बिपिन कैंथोला ने कहा, अवैध मदरसों के बंद होने पर उन्हें क्यों भयभीत होना चाहिए। जब पूरी देवभूमि को लग रहा है कि अवैध मदरसे बंद करके (पुष्कर) धामी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है, तो हरीश रावत को पीड़ा क्यों हो रही है। बिपिन कैंथोला ने कहा, उनके बयानों में झलकता दर्द यह बताने के लिए काफी है कि आज भी वह मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

लखनऊ पुनर्वास गृह में 4 बच्चों की मौत

20 से ज्यादा बीमार, खाने में जहर का संदेह, मामले की जांच जारी

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ के पारा इलाके में बच्चों के लिए एक सरकारी पुनर्वास केंद्र में कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के कारण कम से कम चार बच्चों की मौत हो गई 16 अन्य का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। भोजन विषाक्तता की घटना 23 मार्च की रात को सामने आई, जब पुनर्वास केंद्र में भोजन खाने के बाद लगभग 20 बच्चे बीमार हो गए।

लखनऊ पुनर्वास केंद्र में चार बच्चों की मौत

लखनऊ के पैरा इलाके में स्थित एक सरकारी पुनर्वास केंद्र में कथित तौर पर विषाक्त भोजन करने से चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य बीमार हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस केंद्र के करीब 20 बच्चे मंगलवार शाम अचानक बीमार पड़ गए जिन्हें लोक बंधु राज नारायण संयुक्त अस्पताल ले जाया गया।

12 से अधिक की तबीयत बिगड़ी

लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी. ने बताया, इस आश्रय गृह की दो लड़कियों और दो लड़कों समेत कुल चार बच्चों की मौत हुई है। इनकी उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और इनके विसरा संरक्षित रखे जाएंगे।

बच्चे मानसिक रूप से कमजोर

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार दीक्षित ने बृहस्पतिवार को बताया, पुनर्वास केंद्र से करीब 20 बच्चे मंगलवार शाम इस अस्पताल में लाए गए। ये सभी बच्चे मानसिक रूप से कमजोर हैं। सभी प्रयासों के बावजूद दो बच्चों की मौत हो गई। डॉ. दीक्षित ने कहा कि गंभीर रूप से बीमार दो बच्चों को एक दूसरे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर किया गया है और शेष 16 बच्चों की हालत में सुधार हो रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि विभिन्न अस्पतालों में भर्ती बच्चों के अलावा, शेष बच्चों के स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए एक मेडिकल टीम भी आश्रय गृह भेजी गई है।

घटना को लेकर लखनऊ के जिलाधिकारी ने एक कमेटी बनाई

उन्होंने कहा, ह्लआश्रय गृह में करीब सात बच्चों को चिकित्सक की देखरेख में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम आश्रय गृह में बच्चों पर नजर रख रही है।ह्व इस घटना को लेकर लखनऊ के जिलाधिकारी ने एक कमेटी बनाई है और स्वास्थ्य विभाग तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी पीड़ित बच्चों से पूछताछ के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुनर्वास केंद्र से जांच के लिए खाद्य नमूने लिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवीक्षा अधिकारी विकास सिंह ने इस बात की पुष्टि की कि इस केंद्र में 147 बच्चे हैं जिनमें बेसहारा और मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चे शामिल हैं।

जांच जारी है

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, खिचड़ी और दही खाने के बाद बच्चे बीमार पड़ गए।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, कई घायल, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बंथरा। बंथरा में बीते दिनों जमीन की पटाई करने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में पहाड़पुर निवासी कौशलेंद्र सिंह ने कटी बगिया में रहने वाले दीपक पटेल, विकास पटेल, रोहित पटेल राकेश पटेल आशीष तिवारी, मनीष यादव और 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कौशलेंद्र का कहना है कि सराय शहजादी कटिबगिया स्थित उनक पेट्रोल पंप है। उनके पेट्रोल पंप के सामने गड्ढे को बराबर करने जब वह पहुंचे तो उक्त लोगों ने इसका विरोध किया। मना करने पर सभी ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इस दौरान दीपक पटेल ने जान से मारने की नीयत से अपनी पिस्तौल निकाली। जब लोग पकड़ने दौड़े तो वह वहां से भाग निकला। जिससे उसकी पिस्तौल और चैन गिर गई। कौशलेन्द्र का कहना है कि बाद में उसने उठाकर थाने के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस ने कौशलेंद्र की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवा पीढ़ी के पास एआई के साथ आगे बढ़ने के असीमित अवसर - डॉ. राजेश्वर सिंह

- कठिन परिश्रम, धैर्य, ईश्वर पर आस्था और मानवता सफलता के लिए आवश्यक तत्व – डॉ. राजेश्वर सिंह

सीएमएस कानपुर रोड़ कैंपस में आयोजित हुआ डिवाइन एजुकेशन सेमीनार, डॉ. राजेश्वर सिंह ने युवाओं को भावी चुनौतियों और अवसरों के प्रति किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृहस्पतिवार को सीएमएस कानपुर रोड शाखा में आयोजित डिवाइन एजुकेशन सेमीनार में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। इस दौरान संस्थान के छात्र - छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया, सर्व धर्म सम्भाव प्रार्थना में हिस्सा लिया था संस्थान के मेधावी छात्र - छात्राओं को शील्ड और प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक ने स्कूल के शिक्षकों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि शिक्षक मोमबत्ती की तरह होते हैं, जो अपने स्टूडेंट्स के भविष्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। बच्चों को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि सीएमएस में पढ़ रहे छात्र - छात्राओं को विश्व की सर्वोत्तम शिक्षा मिल रही है। विधायक ने कहा भारत एक युवा देश है, देश की 50% आबादी की उम्र 35 वर्ष से कम है। विधायक ने कहा पूर्वजों के प्रयासों से देश यहाँ तक पहुंचा है, आज भारत विश्व में सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्था है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत दुनिया के अग्रणी गोल्ड रिजर्व तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश वाला देश है। हमारी युवा पीढ़ी को आर्थिक, इकोनोमिक एवं राजनीतिक सभी क्षेत्रों में भारत को दुनिया में नंबर 1 पर पहुंचाना है।

विधायक डॉ. सिंह ने वर्तमान नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीऔर यूपी में सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से सुरक्षा का माहौल है। आज की पीढ़ी के पास प्रगति के सर्वाधिक संसाधन उपलब्ध हैं। भारत में विश्व के टॉप शिक्षण संस्थान है, जरूरतमंद छात्र - छात्राओं को निष्पक्ष रूप से छात्रवृत्ति आदि की सुविधाएं मिल रही हैं। आज 4.2 करोड़ स्टूडेंट्स के साथ भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उच्च शिक्षा नेटवर्क है।

विधायक ने स्टूडेंट्स का मार्गदर्शन करते हुए कहा हर पीढ़ी की अपनी अलग - अलग चुनौतियाँ रही हैं, हमारी युवा पीढ़ी की चुनैतियां कठिन हो रही हैं। युवा पीढ़ी के पास आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के साथ आगे बढ़ने के असीमित अवसर है। भविष्य में रोबोट मानव मस्तिष्क से कहीं अधिक क्षमतावान होंगे।इसके लिए युवाओं को लगातार अपनी स्किल्स को अपग्रेड करना है। डिजिटल स्किल्स को बढ़ाना है। आने वाले समय में 70% ऐसी नौकरियां होंगी, जिनका अस्तित्व आज है की नहीं। 30% नौकरियों के लिए डिजिटल शिक्षा अनिवार्य होगी। युवा पीढ़ी के लिए डिजिटल लिट्रेसी आवश्यक है लेकिन डिजिटल एडिक्शन ठीक नहीं है। युवाओं को शिक्षा और डिजिटल लिट्रेसी पर ध्यान देना चाहिए, सफल होने के लिए कठिन परिश्रम, धैर्य, ईश्वर पर आस्था, मानवता जैसे गुणों का होना अत्यंत आवश्यक है। सी एम एस के संस्थापक जगदीश गांधी को याद करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि उन्होंने सीएमस को 20 से अधिक शाखाओं, 3500 से अधिक स्टाफ और 62 हजार के परिवार में परिवर्तित किया। विधायक ने संस्थान की प्रबंधक गीता गांधी, प्राचार्य विनीता कामरान एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों को ग्राम प्रधान ने दिया तोहफा, गांव में बनवाया हाईटेक पंचायत भवन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल की ग्राम पंचायत गोड़वा बरौकी में ग्राम प्रधान वीरेंद्र शुक्ला द्वारा उत्कृष्ट कार्य करवाए गए हैं।पंचायत विकास कार्य होने से ग्राम पंचायत चमक उठी है। ग्राम प्रधान ने अन्नपूर्णा भवन, अमृत सरोवर, हाईटेक पंचायत भवन, स्कूलों का कायाकल्प, इज्जतघर, पर्यावरण और हरियाली के विद्यालयों में पौधरोपण, गांव में नाली और सड़कों के विकास के लिए काम कराया है। जिससे ग्राम पंचायत के लोगों को सुविधाएं मिल रही है। वीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि उनके अंदर समाज सेवा का जुनून हुआ तो वह समाजसेवा के लिए आगे बढ़े। जिसमें जनता मतों के साथ साथ प्यार व स्नेह देकर ग्राम प्रधान बनाया। पंचायत में उनके प्रयासों ने विकास की नई ऊंचाइयां दी है।

ग्राम पंचायत गोड़वा बरौकी के प्रधान वीरेंद्र शुक्ला की कार्यों की रफ्तार इतनी तेज थी कि दूर तक सुनाई दी।उनके द्वारा कराए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए सरकार द्वारा पंद्रह लाख रुपए की धनराशि से नवाजे गए।सरकार पुरस्कार मिलने पर ग्राम पंचायत में खुशी पंचायत वासियों ने एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर खुशियां बांटी।

कृषि विभाग और पुलिस ने छापा मारकर नकली कीटनाशक दवाई का पकड़ा गोदाम

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में दूसरी कम्पनी के ब्रांण्ड की नकली कीटनाशक दवाइया बनाने की शिकायत पर कृषि विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार शाम छापा मारकर नकली कीटनाशक का गोदाम पकड़ लिया। इस दौरान अधिकारियों ने कई ब्रांड की नकली दवाइयां बरामद करने का दावा किया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने इस गोदाम में मौजूद कीटनाशकों का सैम्पल लेने के साथ ही गोदाम को सील कर दिया है। पुलिस के मुताबिक नोएडा स्थित कीटनाशक बनाने वाली टू बडी कंसलटिंग प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के सहायक मैनेजर प्रेम शर्मा ने बिजनौर थाना क्षेत्र के मानसरोवर कालोनी, न्यू गुड़ौरा में नकली कीटनाशक बनाकर बेचने का आरोप लगाया था। उन्होंने शिकायत की थी कि उनकी कंपनी के ब्रांड के नाम पर यहां कोई दूसरा व्यक्ति नकली कीटनाशक दवाई बना रहा है। कंपनी की शिकायत पर राजधानी के अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी व कृषि विभाग के ही प्रधान सहायक जुबेर अहमद व बिजनौर पुलिस ने कीटनाशक कंपनी के सहायक मैनेजर के बताए गये गोदाम पर गुरुवार शाम छापा मारा। लेकिन इस दौरान उन्हें गोदाम में ताला बंद मिला। जिसपर यह टीम गोदाम का ताला तोड़कर अंदर गई। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरान उन्हें गोदाम के अंदर कई ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली कीटनाशक मिले। आरोप है कि आरोपी ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली दवाइयां बेच रहा था। जिसपर कृषि विभाग के अधिकारियों ने वहां मौजूद कीटनाशकों का सैंपल लेने के साथ ही गोदाम को सील कर दिया। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा ने बताया कि जाँच में पता चला है कि मधु वर्मा के मकान में किराए पर रहने वाला राहुल सिंह दूसरी कंपनी के ब्रांड के नाम पर अवैध रूप से नकली दवाएं बना रहा था। आरोपी का पता लगाया जा रहा है।

देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए मिशन मोड में काम करने की जरूरत : प्रो. प्रसाद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विश्व क्षय रोग दिवस (टीबी दिवस) के उपलक्ष्य में एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रो. राजेंद्र प्रसाद, डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन एंड प्रोफेसर, रेस्परेटरी मेडिसिन, एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने कहा कि टीबी के बारे में प्रचार-प्रसार करने के लिए वर्ल्ड टीबी डे हर साल 24 मार्च को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है "यस ! वी कैन एन्ड टी बी : कमिट, इन्वेस्ट, डिलीवर"।

प्रो. प्रसाद ने कहा कि सरकार एमडीआर और एक्सडीआर टीबी रोगियों को बहुत महंगी दवाएं मुफ्त उपलब्ध करा रही है और इस बात पर जोर दिया कि रोगियों को सरकार की इस मुफ्त सेवा का लाभ उठाना चाहिए, ताकि टीबी से मृत्यु को रोका जा सके और अंततः 2025 तक टीबी को पूरी तरह से समाप्त किया जा सके। डॉ. प्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि सभी को मिशन मोड में काम करना होगा और प्रत्येक टीबी कार्यकर्ता को 2025 तक टीबी को खत्म करने के लिए कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने की सलाह दी जाती है।

प्रो. प्रसाद ने कहा कि हालांकि टीबी का इलाज और रोकथाम पूरी तरह संभव है, लेकिन ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार 2023 में टीबी के कारण 3.57 लाख मौतों के साथ ग्लोबल टीबी मामलों में 26 प्रतिशत के साथ इंडिया पहले रैंक पर है। ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में टीबी के मामलों में 18 फीसद की गिरावट आई है जो कि वर्ष 2015 में 237 प्रति लाख से घटकर 2023 में 195 प्रति लाख हो गई है। इसी अवधि के दौरान, टीबी मृत्यु दर 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से 2023 में प्रति लाख जनसंख्या पर 22 तक 18% की गिरावट दशार्ती है। सरकार का इरादा 2025 तक टीबी को खत्म करने का है और इसके लिए तमाम नई पहल भी की गई हैं। भारत में 25530 से अधिक माइक्रोस्कोपी लैब, 7767 से अधिक रैपिड मॉलिक्यूलर टेस्ट, 92 से अधिक कल्चर लैब और 100 मोबाइल टीबी डायग्नोस्टिक वैन उपलब्ध हैं और 5-7 दिनों के भीतर एमडीआर और एक्सडीआर टीबी का डायग्नोसिस करने के लिए जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा और सेकेंड लाइन एलपीए जैसे नए डायग्नोस्टिक परीक्षण उपलब्ध हैं। बेडाक्विलिन डेलामेनिड और प्रेटोमानीड (बीपॉल) आल ओरल शॉर्टर रेजिमेन जैसी नई दवाओं के इस्तेमाल से एमडीआर और एक्सडीआर टीबी का इलाज छह महीने में हो सकता है।

प्रो. प्रसाद ने कहा कि टीबी के लिए आल ओरल शॉर्टर रेजिमेन 9-11 महीनों एवं आल ओरल लॉन्गर रेजिमेन 18-20 महीनों के लिए है। ड्रग सेंसिटिव और ड्रग रेसिस्टेंट टी बी का इलाज इंजेक्शन वाली दवाओं के बिना होगा। 2024 में 28 लाख में से 26 लाख से अधिक मरीजो को पहले ही नोटिफाई किया जा चुका है। पिछले वर्ष की तुलना में उत्तर प्रदेश में नोटिफिकेशन्स में सबसे अधिक 21 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

इमरजेंसी में मरीज दर्द से तड़फते रहे, डाक्टर कमरे में सोते रहे

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज बुधवार रात सीएचसी मोहनलालगंज में मरीज तड़फते रहे और डाक्टर कमरे में सोते रहे वही शिकायत मिलने के बाद डाक्टर ने अधीक्षक का फोन रिसीव नहीं किया जिसके बाद अधीक्षक ने कर्मचारियों से दरवाजा तोड़ने की बात कही जिसके बाद डाक्टर कमरे से निकले और दर्द से कराह रहे मरीजों का इलाज किया। वही पीड़ित मरीजों के परिजनों ने चौपट स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य मंत्री से शिकायत करने की बात कही है।

मोहनलालगंज के दहियर के रहने वाले अनिल पांडेय ने बताया कि बुधवार उनके बेटे अनुपम को अचानक सीने में दर्द होने लगा तो वह बेटे को लेकर सीएचसी मोहनलालगंज पहुंचे तो वहां करीब रात 11.30 बजे वार्ड ब्वाय मौजूद मिला उसने समस्या पूछकर नाम पता नोट किया और करीब तीन बार कहने पर डाक्टर बुलाने गया इसके बाद भी डाक्टर मरीज देखने नहीं आए इसी बीच गोपाल खेड़ा के हर्ष सड़क दुर्घटना में घायल होकर एंबुलेंस से पहुंचे तब भी डाक्टर नहीं आए इसको लेकर घायल के परिजन भी डाक्टर के न आने पर हंगामा करने लगे इसी बीच अनिल पांडेय के मुताबिक उन्होंने पूरे मामले की शिकायत सीएचसी अधीक्षक अशोक कुमार से फोन करके शिकायत की जिसके बाद अधीक्षक ने डाक्टर आने का आश्वासन दिया। और अन्य कर्मचारी को अस्पताल भेजकर डाक्टर को उठाने की बात कही इसके बाद अधीक्षक ने फोन पर खुद स्वीकार किया कि डाक्टर अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोल रहे है।और आप लोग परेशान न हो दरवाजा नहीं खुलता है तो दरवाजा तोड़वा दिया जाएंगा। इसके कुछ देर बाद डाक्टर मौके पर आए दर्द से कराह रहे मरीजों का इलाज किया वही मरीजों के परिजनों ने कहा इमरजेंसी में ऐसी लापरवाही जानलेवा हो सकती है इसको लेकर स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे। इस संबंध में अधीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि डाक्टर गहरी नीद में सो गए थे इसलिए दरवाजा खोलने में देर लग गई।

दबंगों ने पेट्रोल पंप के सामने खोदा गड्ढा, मना करने पर पिस्तौल लेकर दौड़ाया

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नागर। थाना बंथरा अन्तर्गत ग्राम सराय शहजादी के मजरा कटी बगिया में बनी - मोहान रोड पर पेट्रोल पंप के सामने दबंगों ने जबरन गड्ढा खोद दिया, जब पेट्रोल पंप संचालक ने मना किया तो पिस्तौल निकाल कर दौड़ा लिया।

बताया जाता है कि 25 मार्च को शाम के समय दीपक पटेल, विकास पटेल, रोहित पटेल, राकेश पटेल आशीष तिवारी, मनीष यादव अपने 20- 25 साथियों के साथ आकर पेट्रोल पंप के सामने जबरन गड्ढा खोद डाला जिससे तेल लेने वाले वाहनों को परेशानी हो रही थी, पेट्रोल पंप संचालक ने जब मना किया तो उक्त लोग मारपीट करने लगे, मारपीट में उक्त दबंगों ने लाइसेंसी पिस्तौल निकाल कर पेट्रोल संचालक एवं अन्य लोगों को दौड़ा लिया, इसी झगड़े में उक्त पिस्तौल एवं सोने की चैन वहीं पर गिर गई । पेट्रोल पंप संचालक ने उक्त पिस्तौल एवं सोने की चैन को स्थानीय पुलिस को सौंपते हुए उक्त लोगों के खिलाफ नामजद एवं अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। बंथरा पुलिस ने कहा कि जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। गुरुवार मोहनलालगंज में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने पहुंचकर तहसील परिसर के पीछे बने ईवीएम व वीवीपैट के वेयर हाउस का जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर समेत सभी प्रमुख दलो के नेताओ की मौजूदगी में निरीक्षण किया मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा वार ईवीएम व वीवीपैट मशीन रखे सभी रूमो की सील खुलवाकर अंदर जाकर रख रखाव की स्थित देखी इस दौरान मशीने रखे रूमो में गंदगी व दीवारो पर दीमक लगी देख मौके पर मौजूद अफसरो को फटकार लगाते हुये साफ सफाई कराये जाने के निर्देश दिये वही प्रत्येक रूमो के गेट पर सूची चस्पा करने के निर्देश दिये जिससे अंदर क्या क्या रखा है इसका चस्पा सूची देखकर ही पता चल सके।

(मोहनलालगंज में बने ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी दलो के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया निरीक्षण)

परिसर का भ्रमण करने पर साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त मिली अग्निशमन उपकरण भी निरीक्षण के दौरान दुरूस्त व कार्यशील मिले वेयर हाउस के कन्ट्रोल रूम पहुंचकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरे चेक किये तो सभी चलते मिलें एसडीएम ने बताया वेयरहाउस परिसर व भवन के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरो का डेटा तीस दिनो तक सेव रहता है,जिसके संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 3 मार्च की रात्रि 1 बजे की फुटेज का अवलोकन किया गया उन्होने सुरक्षा बल उपस्थिति रजिस्टर भी चेक किया।एसडीएम ने बताया शिफ्टवार कुल 8 सुरक्षाकर्मियो की ड्यूटी परिसर में है प्रत्येक शिफ्ट में 2-2 सुरक्षा बल ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। इस मौके पर एडीएम प्रशासन डा०शुभी सिंह ,एसडीएम अंकित शुक्ला, तहसीलदार रामेश्वर प्रसाद ईओ अंकिता देवी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालय की छात्रा विद्या ज्ञान परीक्षा में चयनित

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सलौली के कक्षा पांच की छात्रा का विद्याज्ञान की परीक्षा में चयन हो गया है।जिससे विद्यालय के शिक्षक अपने आपका गौरान्वित महसूस कर रहे है। प्राथमिक विद्यालय सलौली के कक्षा पांच में पढ़ने वाली छात्रा भूमि सिंह ने विद्याज्ञान में प्रवेश लेने के लिए दो चरणों मे होने वाली परीक्षा दी थी जिसमें वह सफल हो गई।इसकी जानकारी संस्थान द्वारा पत्र के माध्यम से जब छात्रा के पिता योगेंद्र सिंह को मिली तो वह खुशी से गदगद हो गए। अपर महानिदेशक समग्र शिक्षा एकता सिंह द्वारा भूमि सिंह की प्रशंसा की गई है। परिजनों ने भूमि सिंह के विद्याज्ञान में चयनित होने का श्रेय विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार को दिया।क्योंकि संतोष कुमार द्वारा छात्रा को पढ़ाने के साथ ही उसे कई मंचों पर प्रतिभाग कराया गया जिससे उसे सफलता मिल सकी।राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संतोष कुमार के द्वारा प्राथमिक विद्यालय सलौली में कई सराहनीय कार्य किये गए है।इनका विद्यालय दो बार निपुण विद्यालय घोषित किया जा चुका है।वहीं इनके द्वारा किये गए कुछ नवाचार प्रदेश स्तर पर अन्य स्कूलों में भी लागू किए गए है।इनके उत्तम कार्यों को देखते हुए ही इन्हें राज्य पुरस्कार कर्मयोगी अवॉर्ड एड्यूलीडर्श अवार्ड बेस्ट शिक्षक अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

खरीदारी करने निकले किसान का शव पड़ोसी के यहां पड़ा मिला

- पत्नी का आरोप जहर देकर पति की ली गई जान

साठ हजार रुपए साथ ले गए जेब से गायब मिले

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां के पुरहिया गांव में साठ हजार रुपये लेकर सीमेंट सरिया लेने निकले एक किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके साथी के घर मे पड़ा मिला। सूचना पर पहुचे परिवारीजनो ने एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल में लेकर पहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से रुपए गयब मिले सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक की पत्नी ने जहर देकर मारने का आरोप लगाया

निगोहा पुरहिया गांव निवासी संध्या तिवारी ने बताया कि उसके पति पवन तिवारी बुधवार सुबह 9 बजे सीमेंट सरिया लेने की बात कहकर घर से 60 हजार रुपये लेकर निकले थे वहीं देर शाम गांव के ही रामबली तिवारी की मां द्वारा उन्हें सूचना मिली कि तुम्हरा पति उसके घर मे बेसुध पड़े हुए है इस पर पहुंचे परिवारीजनो ने पवन को एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल लेकर पंहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवारीजनो ने कंट्रोल रूम पर पुलिस को सूचना दी पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के पास से रुपए गयब मिले मृतक की पत्नी ने जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए निगोहां पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मृतक पवन तिवारी नशेड़ी प्रवृत्ति का व्यक्ति था जांच की जा रही है।

क्षत्रियो ने फुंका सपा सासंद का पुतला, किया जोरदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा सांगा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने से नाराज सैकड़ो की संख्या में क्षत्रियो ने श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह उर्फ दीपू व उपाध्यक्ष विनीत सिंह के नेतृत्व में गुरूवार को मोहनलालगंज कस्बे में सपा सांसद का पुतला फुंकते हुये जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत सिंह ने सपा सासंद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की मांग उन्होने कहा कार्यवाही ना होने पर करणी सेना पूरे प्रदेश में जोरदार प्रदर्शन करेगी। मौके पर राहुल राज सिंह, मुरारी सिंह राठौर, पुष्पेंद्र सिंह (बाहुबली), समीर सिंह,विनीत सिंह,सत्यम सिंह ,रानू सिंह,जानेन्द्र सिंह ,शिवम सिंह,सहित सैकड़ों संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद थे।

सवा लाख महामृत्युंजय मंत्रों के साथ 18 वां रूद्राभिषेक यज्ञ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। श्री गोपेश्वर गौशाला मलिहाबाद में गुरूवार को 18 वें महा रूद्राभिषेक यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य पं. योगेश जी व्यास की अगुवाई मे 108 दम्पत्ति यजमानों द्वारा सवा लाख महामृत्युंजय मंत्रों के साथ 5051 पार्थिव शिवलिंगों का रूद्राभिषेक कर जगत कल्याण की कामना की गई।

श्री गोपेश्वर गौशाला मलिहाबाद के प्रबंधक उमाकांत गुप्ता ने बताया चिन्ताहरण हनुमान जी महाराज व गौशाला में विराजे गोपेश्वर नाथ महादेव की कृपा से गौशाला परिसर में लगातार 17 वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजित हो रहा। गुरुवार को 18वें महा रूद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन कर सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के अलावा भाजपा के समर्थकों की मौजूदगी में दिव्य व भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। रूद्राभिषेक कार्यक्रम के समापन पर गौ आरती कर विशाल भंडारे के आयोजन किया गया।इस मौके पर क्षेत्र के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

रंजिश को लेकर दबंगों ने युवक को पीटा,केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

घायल अवस्था में मनीष – फोटो

लखनऊ। बीती रात पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने एक युवक को पीट डाला, जिसमें युवक घायल हो गया घायल युवक ने मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया गया है। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी संजर खां निवासी मनीष कनौजिया ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसी गांव निवासी विशाल कश्यप और लल्लन ने पुरानी रंजिश रखते हुए बुधवार रात को मजदूरी करके वापस घर लौट रहे मनीष को गांव के बाहर स्थित पुलिया के पास पहुंचने पर गाली गलौज की, जब उसने विरोध किया तो लोहे की रॉड से पीट कर मनीष को घायल कर दिया, सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल अवस्था में मनीष को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज। इस संबंध में मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक बैजनाथ ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षेप

चोरों ने दो घरों को बनाया अपना निशाना, हजारों का सामान किया पार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में लगातार चोरिया होने से लोग दहशत में आ गए है। एक भी चोरी का खुलासा पुलिस द्वारा न किया जाना बड़ी चुनौती बन गया है। पहली चोरी बारासगवर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दरियाव निवासी राजेश बहादुर सिंह पुत्र स्व० अमरनाथ के घर रविवार की रात हुई थी जिसमे तहरीर देकर बताया गया कि अज्ञात चोरो द्वारा घर के दरवाजे का ताला काट कर सभी कीमती समान पैसे व जेवरात सहित अन्य सामान चोर चुरा ले गये। इस मामले में थाना बारासगवर में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। दूसरी चोरी पाटन चौकी से मात्र एक किलोमीटर दूरी पर स्थित कृष्ण कुमार पुत्र रामअवतार के घर हो गयी। घर मे शादी होने की वजह से परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। मौके देख सूने पड़े घर से चोरों ने बिस्तर सहित सारा सामान समेट लिया। परिजनों को जानकारी होने पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चौकी पाटन को तहरीर दी गयी है।

दबंगों ने घर में घुसकर लाठी डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। पुरानी रंजिश को लेकर दरवाजे आकर गलियां दी मना करने पर घर में घुसकर लाठी डंडों व धारदार हथियार से हमला किया गंभीर चोटें आई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया कोतवाली बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला शंकर नगर वार्ड नंबर 9 कस्बा बीघापुर निवासी नरेंद्र कुमार मिश्रा पुत्र रवि शंकर मिश्र ने थाने में तहरीर देकर कहा कि रात में पुरानी रंजिश को लेकर हमारे दरवाजे रिंकू तिवारी अनिल तिवारी पुत्रगण अशोक कुमार तिवारी पद्मावती पत्नी अशोक कुमार तिवारी निवासी वार्ड नंबर 2 नागेश्वर नगर कस्बा बीघापुर हाथों में लाठी डंडा व धारदार हथियार लेकर मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देने लगे इतने में प्रार्थी की पत्नी राखी ने मुझे फोन पर जानकारी दी मैं मोटरसाइकिल से जब घर आया तब उपरोक्त लोग मुझे भी मां बहन की गालियां देने लगे मना करने पर तीनों लोगों ने एक राय होकर हमारे ऊपर घर के अंदर घुसकर लाठी डंडा व धारदार हथियारों से हमला कर दिया जिससे मेरा पैर फैक्चर हो गया व मेरे शरीर में गंभीर चोटें आई 100 बेड अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज चला तहरीर में लिखा कि यह व्यक्ति और असामाजिक तत्व व अपराधी हिस्ट्रीशीटर हैं तहरीर के आधार पर पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया

त्रिदिवसीय प्रदर्शनी के समापन दिवस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं योजनाओं से जन सामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर निराला प्रेक्षागृह में आयोजित त्रिदिवसीय प्रदर्शनी/मेले के तीसरे व समापन दिवस के कार्यक्रम का जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अध्यक्ष द्वारा मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा की उपस्थिति में अवलोकन किया गया। तदोपरान्त प्रेक्षागृह सभागार में मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्मित/स्वीकृत विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही महाकुम्भ 2025 पर सूचना विभाग द्वारा तैयार की गयी लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की विगत 08 वर्ष की उपलब्धियां बतायी गयीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा इनवेस्ट यूपी के तहत जनपद में निवेश करने वाले 05 उद्यमियों/निवेशकों को सम्मानित किया गया तथा बेसिक शिक्षा में मिशन निपुण के अन्तर्गत निपुण हो चुके 25 विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य/कोविड के 03 तथा कन्या सुमंगला योजना के 03 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के 07 लाभार्थियों को टैबलेट, 04 क्षय रोग चैम्पियन को प्रमाण पत्र, उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत संचालित मातृत्व शिशु एवं बालिका योजना के 06 लाभार्थियो को प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था योजना के 03 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, फैमिली पहचान पत्र योजना के अन्तर्गत 05 लाभार्थियों को आईडी कार्ड का वितरण, आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा विभाग द्वारा 07 श्रेष्ठ चिकित्सकों को सम्मान पत्र आदि वितरित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि निराला में आयोजित भव्य त्रिदिवसीय प्रदर्शनी कार्यक्रम आज समापन की ओर है सभी कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुए हैं, इसके लिए पूरा जिला प्रशासन बधाई का पात्र है। कार्यक्रम में शामिल हुए सांस्कृतिक कलाकारों का काम सराहनीय जिन्होने अपनी कला के माध्यम से सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। प्रदर्शनी में लगाए गए सभी विभागों के स्टॉल जनहित कारी व जन सामान्य के लिए लाभकारी साबित हुए हैं। प्रमाण/प्रशस्ति पत्र पाने वालें सभी लोग/शिक्षक/छात्र बधाई के पात्र हैं, इससे उनके कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार पं0 दीनदयाल उपाध्याय के मूलमंत्र पर काम कर रही है। उन्होने कहा कि योगी के नेतृत्व में हमारा प्रदेश आज उत्तम प्रदेश की श्रेणी में आ गया है।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे अधिकारियों की टीम द्वारा अच्छे समन्वय से पिछले तीन दिनों में पूरी निष्ठा व लगन से कार्य किया गया है, जिसकी वजह से सभी कार्यक्रम सफलता पूर्वक सफल हुए हैं। इसके लिए हमारी पूरी टीम बधाई की पात्र है। इस दौरान माध्यमिक शिक्षा परिषद की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, बेसिक शिक्षा परिषद की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गयीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी श्री संजय कुमार पाण्डेय, जिला पर्यटन अधिकारी संतोष कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी सतीश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय, जिला विद्यालय निरीक्षक एस0पी0 सिंह, सहायक श्रमायुक्त एस0एन नागेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 नीलम सिंह, उपायुक्त उद्योग करूणा राय, क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डा0 कप्तान सिंह सहित अन्य अधिकारी व शिक्षक गण आदि मौजूद रहे।

यूपी भारत का ग्रोथ इंजन कार्यक्रम का किया गया समापन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकासखंड सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 'यूपी भारत का ग्रोथ इंजन' कार्यक्रम का समापन हुआ। एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने फीता काटकर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम में कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्टॉल लगाए। कृषि विभाग ने किसानों को उन्नत और जैविक खेती की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत योजना और टीकाकरण की जानकारी साझा की। उद्योग विभाग ने युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं से अवगत कराया। एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने बताया कि सरकार ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को प्रभावी ढंग से लाभार्थियों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में बीडीओ श्वेता त्रिपाठी, एडीओ पंचायत छोटेलाल समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया।

यूपी भारत का ग्रोथ इंजन कार्यक्रम का किया गया समापन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकासखंड सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 'यूपी भारत का ग्रोथ इंजन' कार्यक्रम का समापन हुआ। एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने फीता काटकर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्टॉल लगाए। कृषि विभाग ने किसानों को उन्नत और जैविक खेती की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत योजना और टीकाकरण की जानकारी

साझा की। उद्योग विभाग ने युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं से अवगत कराया। एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने बताया कि सरकार ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को प्रभावी ढंग से लाभार्थियों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में बीडीओ श्वेता त्रिपाठी, एडीओ पंचायत छोटेलाल समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया।

गंगा तट पर चलाया गया विशेष सफाई अभियान

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। स्वच्छ गंगा मिशन अभियान के तहत चल रहे पखवाड़े में बक्सर के गंगा घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

वर्तमान में सरकार द्वारा निर्धारित 16 से 31 मार्च के मध्य स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है जिसके तहत गुरुवार को सिद्ध पीठ माँ चंद्रिका देवी के गंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया । इस अभियान का आयोजक जिला गंगा समिति व वन विभाग उन्नाव बना। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक कमलेश शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप प्रभागीय वन अधिकारी संतोष कुमार वर्मा ने उपस्थित लोगो को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्कूली बच्चों द्वारा नदियों के संरक्षण के लिए सुंदर चित्रकारी की गई एवं घाट पर ग्रामीणों, स्कूली बच्चो,

बीघापुर रेज स्टाफ की रेंजर आयशा नसीम, गंगा दूत आदि लोगों के द्वारा मिलकर बक्सर घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। मौके पर मौजूद जिला परियोजना अधिकारी किरण सोनकर ने भी गंगा को स्वच्छ बनाने हेतु नागरिकों से अपील की। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं छात्र छात्राओं को पुरस्कार भी वितरित किया गया। प्रथम पुरस्कार ग्रेसी पांडे को, द्वितीय पुरस्कार अंशी चौरासिया को, एवं तृतीय पुरस्कार अभिषेक पांडे को दिया गया। इस मौके पर कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रबंधनक विवेक सिंह, प्रधानाचार्य हरिओम सिंह

प्रबंधक विवेक सिंह, रामबदन सिंह, मुन्ना सिंह सहित अनेक समाजसेवी शामिल रहे।

सामुदायिक शौचालय की दुर्दशा: 4 साल से बिजली-पानी के बिना पड़ा बेकार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मियागंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत अकबरपुर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बना सामुदायिक शौचालय आज भी बिजली और पानी की सुविधा के बिना बेकार पड़ा है। 2019 में बने इस शौचालय के ऊपर से 11000 वोल्ट की बिजली लाइन गुजर रही है, लेकिन शौचालय में कनेक्शन नहीं है। शौचालय परिसर में बोरिंग और मोटर पंप लगा है, लेकिन बिजली न होने के कारण वह भी बेकार पड़ा है। शौचालय पर हमेशा ताला लगा रहता है और ग्रामीण इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। ग्राम प्रधान राजेश कुमार रावत ने बताया कि बिजली विभाग से कई बार संपर्क किया गया है। विभाग ने डेढ़ लाख रुपये का एस्टीमेट दिया है, लेकिन कोई ठोस मदद नहीं की है। न तो पंचायत भवन में और न ही सामुदायिक शौचालय में बिजली कनेक्शन हो पाया है। हसनगंज से लिखित आश्वासन मिला है कि कार्यवाही की जाएगी। पंचायत सहायक सरिता रावत ने बताया कि पंचायत भवन में बिजली कनेक्शन न होने से काफी परेशानी होती है। प्रधान ने जल्द ही कनेक्शन कराने का आश्वासन दिया है। पंचायत मित्र कमल तिवारी के अनुसार, 2018-19 में बने इस शौचालय पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। उनका कहना है कि अगर समय पर कनेक्शन हो जाता तो ग्रामीण इसका लाभ उठा पाते।

नवरात्रि व ईद के पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रमजान, ईद और नवरात्रि को लेकर पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी अखिलेश सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कोतवाली सदर में क्षेत्र के धर्मगुरुओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी त्योहार के दौरान नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। धार्मिक जुलूस केवल परंपरागत मार्गों से ही निकाले जाएंगे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मस्जिदों और मंदिरों पर विशेष नजर रखी जाएगी। भीड़भाड़ वाले इलाकों की ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी से निगरानी होगी। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर गलत सूचना न फैलाने की अपील की। रमजान में तरावीह और ईद की नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। नवरात्रि में मंदिरों में भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस तैनात रहेगी। दोनों त्योहारों के दौरान बिजली, पानी और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं और समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने क्षेत्र में भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया।

साहित्य भारती द्वारा 29 मार्च को होगा कवि सम्मलेन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 29वें कवि सम्मलेन का आयोजन साहित्य भारती की ओर से शहर के कमला भवन मैदान मे आयोजित किया जा रहा है। बता दे कि साहित्य भारती की ओर से आयोजक चंद प्रकाश शुक्ला ने प्रेस वार्ता करते हुए कार्यक्रम मे विषय मे जानकारी देते हुए बताया कि कलम और तलवार की धरती पर इस बर्ष भी देश विदेश के प्रख्यात कवियों द्वारा 29 मार्च को शहर के कमला भवन मैदान मे मंचन किया जायेगा। जिसमे प्रसिद्ध कवि सबीना अदीब, मंजर भोपाली, विनीत सिंह चौहान और मध्य प्रदेश के खंडवा से कवि अकबर ताज समेत 9 कवियों द्वारा कवि पाठ किया जायेगा। जिसमे मध्य प्रदेश से इंदौर से गोविन्द और खंडवा से अकबर ताज पहली बार उन्नाव के इस कार्यक्रम मे शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा से जुड़े लोगो को भी सम्मानित किया जायेगा। प्रेस वार्ता मे चंद प्रकाश शुक्ला, रामबोध शुक्ला, शरद मिश्रा के अलावा अन्य लोग भी मौजूद रहे।

शराब के नशे में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के पांडेयपुर गाँव मे युवक ने शराब के नशे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्तपताल भेज दिया। थाना क्षेत्र के पांडेयपुर -मजरे मलौना में बुधवार रात करीब 9 बजे ऑटो रिक्शा चालक प्रमोद कुमार तिवारी (35) ने शराब के नशे में फांसी लगाकर जान दे दी। प्रमोद के परिवार में पत्नी नीतू तिवारी और तीन छोटी बेटियां हैं। वह ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। गांव वालों के अनुसार, प्रमोद अपनी बेटियों से बेहद प्यार करते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से वह शराब के नशे में रहने लगे थे। इस कारण वह अक्सर मानसिक तनाव में भी रहते थे। घटना वाली रात प्रमोद ने शराब पी रखी थी। वह अचानक अपने कमरे में गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिवार ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया। अंदर प्रमोद फांसी के फंदे पर लटके मिले। बिहार थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी सुब्रत नारायण के अनुसार, मृतक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। प्रमोद की मौत से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटियां बेसहारा हो गई हैं। परिवार पर आर्थिक संकट भी गहरा गया है, क्योंकि घर का खर्च प्रमोद की कमाई पर ही निर्भर था।

एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील स्तरीय संगोष्ठी एवम उन्मुखीकरण कार्यक्रम मे उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में ने विभिन्न विभागों ने स्टाल लगा सरकार की उपलब्धियो व योजनाओ को बताया। गुरुवार को तहसील मुख्यालय पाटन में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम 'भारत के ग्रोथ इंजन' के अंतिम दिन विभिन्न विभागों की संगोष्ठी और उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। संगोष्ठी का शुभारम्भ उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह ने माँ सरस्वती के पूजन अर्चन व दीप प्रज्वल्लन से किया। उपजिलाधिकारी ने सभागार में उपस्थित लोगो को सरकार की उपलब्धियो के बारे में बताया। तीन दिवसीय मेले में उपलब्धियों, विकास कार्यों और महाकुंभ प्रयागराज-2025 के सफल आयोजन पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन एवं विकास पुस्तिका का विमोचन किया गया। अन्नदाता किसान की समृद्धि, महिला सशक्तीकरण, युवा एवं रोजगार, हस्तशिल्प एवं ओडीओपी, सुरक्षित उद्यमी-समृद्ध व्यापार और अन्त्योदय से सर्वोदय विषयों पर जनसामान्य को विषय आधारित जानकारियां उपलब्ध कराई गयी। स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों के फूड कोर्ट भी लगाए गए। खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा ने बताया पहले की सरकारें शिक्षा की ओर ध्यान नहीं देती थी, भाजपा सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र मे बहुत काम किया है। सरकार ने विद्यालयो का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण कराकर उनका परिवेश बदला है। विद्यालयो मे 19 पैरा मीटर बनाकर उनको हर प्रकार से आच्छादित किया जा रहा है। तहसील मुख्यालय में लगे स्वास्थ्य विभाग के स्टाल में फार्माशिस्ट पांडेय द्वारा निःशुल्क दवा वितरण किया गया। आंगनबाड़ी, बिजली विभाग, पुलिस विभाग, सड़क सुरक्षा, कृषि विभाग आदि के द्वारा स्टाल लगा सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया। मनोरंजन के दृष्टिगत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर तहसीलदार अर्शला नाज, नायब तहसीलदार अशोक शुक्ला, खंड विकास अधिकारी विनोद मणि त्रिपाठी, सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी नरेंद्र कृष्णा सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जागरूकता रैली को एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर एक विशेष जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। 'सबल नारी-प्रगति हमारी' थीम पर आयोजित इस रैली की शुरूआत एसपी ऑफिस तिराहे से हुई। रैली गांधी नगर तिराहे तक निकाली गई। एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सोनम सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में डायल 112 और गरुण वाहिनी के वाहन भी शामिल थे। पुलिसकर्मियों ने तख्तियों और बैनर के माध्यम से महिला सुरक्षा का संदेश दिया। एसपी दीपक भूकर ने कहा कि महिलाएं किसी भी संकट में डायल 112 या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने लोगों से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की अपील की। रैली में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'महिला सुरक्षा, समाज की जिम्मेदारी' जैसे नारे लगाए गए। एएसपी अखिलेश सिंह ने बताया कि स्कूल-कॉलेज में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने की योजना है। सीओ सोनम सिंह के अनुसार, इस तरह की रैलियों का उद्देश्य महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मनमाना नजराना न मिलने पर किन्नरों ने की मारपीट

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बड़ा मरहा गांव निवासी माधुरी पत्नी धीरज कुमार ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बेटी को जन्म दिया था। गुरुवार सुबह दस बजे एक कार में

पुलिस लोगो लगी कार से सात-आठ किन्नर घर पहुंच आए और किन्नरों ने नजराना मांगा, जिस पर परिवार ने 1100 रुपए और अनाज देकर विदा किया तभी रुपए कम मिलने की बात कहते हुए कार चालक समेत चार किन्नर काजल, अंकुर ,गोविंद, जाहिद अली ने जातिसूचक गाली गलोज करना शुरू कर दिया पीड़िता के विरोध करने पर सभी ने मारना पीटना शुरू कर दिया परिजनों ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी पुलिस ने दोनो पक्षों को कोतवाली लेकर आई जिसपर दोनो पक्षों ने सुलह समझौता कर लिया। कोतवाली प्रभारी संदीप शुक्ला ने बताया कि दोनो पक्षों ने सुलह समझौता कर लिया है।

किसान महापंचायत का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नार्मल स्कूल मैदान में गुरुवार को किसान महापंचायत का आयोजन हुआ। इसमें भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शिरकत की। टिकैत ने कहा कि पूंजीपतियों ने देश पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि रोटी भी बाजार की वस्तु बनने जा रही है। उनका कहना था कि सरकार कृषि सुधारों के नाम पर किसान हितों की अनदेखी कर रही है। किसान नेता ने किसानों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों के मजबूत रहने पर ही सरकार झुकेगी। टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार केवल बड़े उद्योगपतियों के हित में नीतियां बना रही है। इससे किसान, मजदूर और आम जनता को नुकसान हो रहा है। महापंचायत में औरंगजेब पर भी चर्चा हुई। टिकैत ने उन्हें आक्रांता बताते हुए सवाल किया कि उनकी कब्र भारत में क्यों है। उन्होंने व्यंग्य किया कि अगर कब्र को इतना दिखाना है तो उसे बीजेपी मुख्यालय में ले जाकर वहीं पूजा करें। टिकैत ने स्पष्ट किया कि किसान आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग दोहराई। महापंचायत में हजारों किसानों ने हिस्सा लिया। सभी किसान नेताओं ने सरकार की नीतियों का विरोध किया। उन्होंने आने वाले समय में आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

वर्ष के अंत तक टीबी उन्मूलन लक्ष्य कठिन

आज 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के मौके पर भारत में इस रोग के उन्मूलन की स्थिति की विवेचना जरूरी है। प्रति वर्ष टीबी (क्षय रोग) से 3.20 लाख भारतीयों की मौत होती है। भारत दुनिया में सबसे अधिक ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) प्रभावित देशों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, भारत में हर तीन मिनट में दो लोगों की मौत टीबी के कारण होती है। भारत सरकार लंबे समय से टीबी उन्मूलन का अभियान चला रही है। डब्ल्यूएचओ की 'ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024' के अनुसार, 2015 से 2023 के बीच भारत में टीबी मामलों में 17.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक औसत 8.3% की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। इसके बावजूद चालू वर्ष 2025 के अंत तक क्षय रोग के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं लगता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, जो वैश्विक लक्ष्य (2030) से पांच साल पहले का है। विश्व के मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के 62 फीसदी मरीज भारत में हैं। पिछले छह महीनों में किए गए सर्वे के देश में अनुसार 21% बच्चे (16 वर्ष तक) और 14% वयस्क मामलों में टीबी की पुष्टि हुई है। वहीं, लेटेंट टीबी (जो शरीर में मौजूद होती है लेकिन सक्रिय नहीं होती) के लिए आईजीआरए जांच में 23% बच्चों और 43% वयस्कों में संक्रमण पाया गया। भारत में टीबी के बढ़ते मामलों के मुख्य कारण जानकारी का अभाव, कुपोषण, रहन-सहन में स्वच्छता की कमी आदि हैं। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग इस बीमारी की चपेट में जल्दी आते हैं। पल्मोनरी टीबी (फेफड़ों में संक्रमण) के अलावा टीबी बैक्टीरिया ब्लड सर्कुलेशन के माध्यम से शरीर के अन्य अंगों में फैलने वाले एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। जल्द जांच और प्रभावी इलाज इससे मुक्ति के उपाय हैं। टीबी की निगरानी और स्क्रीनिंग को और मजबूत किया जाए। टीबी निदान के लिए ट्रिपल-लेयर सत्यापन प्रणाली लागू की जाए। स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाए जाएं ताकि शुरुआती चरण में ही टीबी की पहचान हो सके। सरकार की पोषण सहायता योजना के तहत अप्रैल 2018 से हर टीबी मरीज को 500 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं, पर राशि कम है और योजना का क्रियान्वयन प्रभावी नहीं है। सरकार मुफ्त में दवा भी देती है। सीएजी के मुताबिक, 2018-19 से 2022-23 के बीच कुल 2.60 लाख टीबी मरीजों को 72.24 करोड़ का भुगतान बकाया रहा (नवंबर 2022 तक)। टीबी) एक संक्रामक बैक्टीरियल बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। आमतौर पर यह बीमारी फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकती है। टीबी पीड़ित मरीज के बोलने, खांसने या छींकने के दौरान मुंह या नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स से स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। दुनिया के कुल टीबी मामलों का लगभग 26 प्रतिशत भारत में हैं। समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार, मास्क का उपयोग और टीबी मरीज से दूरी बनाए रखना, संक्रमण के खतरे को कम करने में मदद करता है।। टीबी का अधूरा इलाज न केवल मरीज के लिए खतरनाक होता है, बल्कि यह बीमारी को और भी घातक बना सकता है। इसलिए पूर्ण इलाज जरूरी है। भारत सरकार राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम चला रही है, इसमें जांच व इलाज निःशुल्क है। टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से प्रयास करने की जरूरत है।

मौसम

सुशील देव

गर्मी बढ़ने के साथ संकट में घिरने लगी है दिल्ली

पर्यावरणीय असंतुलन और लगातार मौसम में अप्रत्याशित बदलाव की वजह से दिल्ली में गर्मी की आशंका अभी से सताने लगी है। आने वाले दिनों में दिल्ली के तापमान में ज्यादा वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी मानते हैं कि 21 मार्च 2025 से आसमान साफ होने और चटक धूप पड़ने से गर्मी बढ़ेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, फिलहाल दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी से फिलहाल राहत है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों के बाद से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि शुरू होगी, जिससे मार्च महीने के आखिर तक गर्मी का असर बढ़ेगा। इसलिए जल्द ही दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। कहते हैं कि दिल्ली की गर्मी और सर्दी बहुत भयंकर होती है। ऐसे में दिल्ली सरकार पहले से ही सचेत रहना चाहिए। दिल्ली देश की राजधानी है, उस हिसाब से केंद्र सरकार का भी कर्तव्य बनता है कि गर्मी से बचाव के लिए ठोस इंतजाम करना चाहिए। दिल्ली में गर्मी बढ़ने के साथ ही बढ़ जाती है, पीने के पानी की समस्या। ज्यादातर जगहों पर तो गंदे पानी की समस्या बनी रहती है। ऐसे में जीवन के इस महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के मद्देनजर पहले दिल्लीवासियों को साफ पानी की सप्लाई सबसे बड़ा मुद्दा होता है। इस बार भी यही होना है। हर गर्मी में यहां जल संकट की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे निपटने में सरकार असफल हो जाती है। इतना ही नहीं, गर्मी के दौरान कई इलाकों में पानी की भारी कमी होती है, वहीं टैंकरों की आपूर्ति में देरी होती है या भ्रष्टाचार के कारण पानी जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाता। इसलिए पानी की कमी वाले इलाकों में टैंकरों से लोगों तक पानी पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों पर ठंडे पानी की टंकियां लगाने की योजना या तो अधूरी रह जाती है या ठीक से लागू नहीं होती। दिल्ली सरकार ने पिछले साल गर्मियों में कई उपाय नहीं कर पाईं थीं। इनमें राजधानी शहर के अंदर पर्याप्त कूलिंग शेल्टर नहीं तैयार होना प्रमुख रहा। ज्ञात हो कि सार्वजनिक स्थानों पर कूलिंग शेल्टर यानी ठंडी छांव, जल सेवा केंद्र, शीतल स्थल बहुत कम हैं। बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन और बाजारों में छायादार व्यवस्था की कमी है, जिससे लोग लू का शिकार हो जाते हैं। गर्मियों में एयरकंडीशनर, कूलर और पंखों की जरूरत बढ़ जाती है लेकिन बार—बार बिजली की कटौती होने से भी यहां के निवासियों की समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, बिजली कंपनियों ने दावा किया है कि इस बार बिजली कटौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। गर्मियों में इसबार बिजली की मांग रिकार्ड तोड़ रह सकती है। यह करीब 9 हजार मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है।बीआरपीएल के क्षेत्र में 4 हजार मेगावाट, बीवाईपीएल के क्षेत्र में 1900 मेगावाट और टीपीडीडीएल के क्षेत्र में 2562 मेगावाट तक जा सकती है। पिछले साल दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 8656 मेगावाट रही थी। दिल्ली सरकार को कल-कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए विशेष राहत प्रदान करने वाली नीतियां बनानी चाहिए। गर्मी के समय में इनके काम के घंटे कम करने या सुरक्षा उपाय देने पर जोर दिया जाना चाहिए। पिछले साल भी इस संदर्भ में ठोस कदम नहीं उठाए गए। लोगों में गर्मियों के प्रति जागरूकता भी बहुत जरूरी है। लोगों को हीट वेव से बचने के उपाय बताने के लिए बड़े पैमाने पर टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए थे, लेकिन प्रभावी रूप से ऐसा नहीं किया गया। साथ ही, हीट वेव के लिए कोई एसएमएस अलर्ट सिस्टम नहीं बनाया गया जिससे लोग समय रहते सावधान हो सके। सरकार को दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य प्रति भी चिंता कम रही। हीट स्ट्रोक से निपटने के उपायों के तहत अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपातकालीन सेवाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं थी। एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की कमी के कारण लू से पीड़ित लोगों को समय पर मदद नहीं मिल पाई।

विश्लेषण

प्रो. अश्वनी महाजन

डब्ल्यूटीओ के गठन से होने वाले लाभों और उसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को देखते हुए अधिकांश अर्थशास्त्री नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को वरदान के रूप में बताते रहे। लेकिन वैश्वीकरण के उस दौर में 'गैट' के तहत किए गए नए समझौतों से होने वाले नुकसानों का या तो ठीक से अध्ययन नहीं किया गया या फिर उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। लेकिन पिछले 8 वर्षों से, जब से डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला है, तब से वैश्विक व्यापार के संचालन का एक प्रमुख साधन डब्ल्यूटीओ अपनी चमक खोता जा रहा है। यूएस की विश्व व्यापार संगठन में कोई रुचि नहीं रह गई है।

पंगु हो चुका डब्ल्यूटीओ बच पाएगा?

90 के दशक में वैश्वीकरण के प्रतीक के रूप में डबल्यूटीओ का जन्म हुआ। कहा गया कि दुनिया एक गांव की तरह है, इसलिए न केवल वस्तुओं और सेवाओं बल्कि पूंजी का भी निर्बाध मुक्त प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए; ताकि सभी देशों के लोगों को सबसे सस्ती वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह भी कहा गया कि पूंजी का मुक्त प्रवाह और पर्याप्त उपलब्धता विकासशील देशों में भी विकास की संभावनाओं को बेहतर बनाएगी।

डबल्यूटीओ की खासियत यह थी कि इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संचालन को नियम-आधारित बनाया गया। यानी अगर कोई देश डबल्यूटीओ के समझौतों के मुताबिक व्यवहार नहीं कर रहा है, यानी डबल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ विदेशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगा रहा है या बाधाएं या अवरोध लगा रहा है, तो उस देश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, शुरू से ही विकासशील देश डब्ल्यूटीओ के कथित लाभों को लेकर आशंकित थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि वे टैरिफ और अन्य प्रकार की बाधाओं के माध्यम से अपने उद्योगों और कृषि को विदेशी देशों से अत्यधिक सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों से होने वाली प्रतिस्पर्धा से ठीक से बचा नहीं पाएंगे। इतना ही नहीं, ट्रिप्स, ट्रिम्स, सेवाओं और कृषि, खासकर स्वास्थ्य सुरक्षा, कृषि और किसानों की सुरक्षा और उनके उद्योगों की सुरक्षा से जुड़े समझौतों से होने वाले दुष्प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाना अब संभव नहीं होगा। डब्ल्यूटीओ के गठन से होने वाले लाभों और उसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को देखते हुए अधिकांश अर्थशास्त्री नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को वरदान के रूप में बताते रहे। लेकिन वैश्वीकरण के उस दौर में 'गैट' के तहत किए गए नए समझौतों से होने वाले नुकसानों का या तो ठीक से अध्ययन नहीं किया गया या फिर उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। लेकिन पिछले 8 वर्षों से, जब से डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला है, तब से वैश्विक व्यापार के संचालन का एक प्रमुख साधन डबल्यूटीओ अपनी चमक खोता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही जो फैसले लिए हैं, उनसे डबल्यूटीओ के पतन की गति और तेज हो गई है। पूरी दुनिया में डबल्यूटीओ के भविष्य को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो लोग डबल्यूटीओ को मानव कल्याण, विकास और सुचारू विश्व व्यापार का प्रतीक मानते थे, वे अब इस बात पर बहस कर रहे हैं कि डबल्यूटीओ कितनी जल्दी खत्म हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व व्यापार संगठन अब पंगु हो चुका है। विश्व व्यापार संगठन के पंगु होने की प्रक्रिया डबल्यूटीओ के दोहा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में शुरू हुए दोहा विकास दौर से शुरू हो गई थी। दोहा सम्मेलन में विकासशील देशों ने यह मुद्दा उठाया कि चूंकि विकसित देश आर्थिक रूप से मजबूत हैं, इसलिए असमान व्यापार के कारण विकासशील देशों में विकास प्रक्रिया बाधित होती है। इसलिए विकासशील देशों के विकास को गति देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों में संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डबल्यूटीओ में दोहा विकास दौर की वार्ता शुरू हो गई। विकसित देशों की इसमें कोई रुचि नहीं थी और उनकी उदासीनता के

कारण दोहा विकास दौर बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गया। भारत समेत विकासशील देश डबल्यूटीओ में जो कुछ हो रहा था, उससे स्पष्ट रूप से निराश थे।

यही नहीं कि विकसित देश विकासशील देशों की समस्याओं के प्रति उदासीन थे, अमेरिका को यह लगने लगा था कि उसे डबल्यूटीओ से वह सब मिल गया है जो वह चाहता था। उनके कॉरपोरेट अब पहले से कहीं अधिक रॉयल्टी और तकनीकी शुल्क प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि डबल्यूटीओ की स्थापना के बाद बौद्धिक संपदा व्यवस्था ने ज्यादातर अमेरिका की कंपनियों को तरजीह दी, जिनके पास अधिकांश पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार थे। अमेरिकी कंपनियों को विकासशील देशों में निवेश करने के भरपूर अवसर मिले और अमेरिकी कृषि उत्पादों को विकासशील देशों में अभूतपूर्व बाजार पहुंच मिलनी शुरू हो गई। लेकिन 2001 में चीन के डबल्यूटीओ में प्रवेश और उसके आर्थिक उत्थान के बाद, चीनी माल ने अमेरिकी बाजारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और अमेरिका को चीन के साथ विदेशी व्यापार में भारी व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने यह अब यह शिकायत करना शुरू कर दिया कि डबल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली के कारण, वह अन्य सदस्य देशों के साथ कई विवादों में हार रहा है। अतीत में, अमेरिका संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और कई अन्य संगठनों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को वित्तीय योगदान देता था। लेकिन, जब से डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, अमेरिका में यह धारणा बनने लगी है कि अमेरिकी करदाताओं के पैसे से इन संस्थाओं को वित्तपोषित करना अमेरिका के हित में नहीं है। अपनी रणनीति के तहत अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में बाधा डाली। इसके कारण विश्व व्यापार संगठन की विवाद निपटान प्रणाली ही लगभग पंगु हो गई। यह सर्वविदित है कि विवाद निपटान प्रक्रिया विश्व व्यापार संगठन की नियम-आधारित प्रणाली का अभिन्न अंग है। इसके कारण अब सदस्य देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन में नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना आसान नहीं रह गया है। यह कहा जा सकता है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की उदासीनता के कारण विश्व व्यापार संगठन कमजोर होता जा रहा है।

विश्व व्यापार संगठन के लगातार मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में यह बात स्पष्ट होती रही है कि अमेरिका की विश्व व्यापार संगठन में कोई रुचि नहीं रह गई है। लेकिन ऐसे समय में जब चीन को छोड़कर शेष विश्व समेत विकासशील देश अपने बाजारों में चीनी उत्पादों की भरमार के कारण न केवल औद्योगिक विकास के मामले में नुकसान उठा रहे हैं, बल्कि मुक्त व्यापार और वैश्वीकरण के नाम पर जन स्वास्थ्य और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए कानून बनाने की अपनी स्वतंत्रता या संप्रभुता भी खो चुके हैं और विश्व व्यापार संगठन उनके लिए विश्व बाजारों तक पहुंच का एकमात्र साधन बचा है। ऐसे में वे विश्व व्यापार संगठन के सम्मेलनों में इसे प्रभावी बनाने के लिए लगातार काम करते रहे हैं। लेकिन अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में वापस आने के बाद अब विश्व व्यापार संगठन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक मुक्त व्यापार व्यवस्था पर सीधा हमला करना शुरू कर दिया है। वही अमेरिका, जो विश्व व्यापार संगठन की बातचीत और गठन में सबसे आगे था; और दुनिया भर में मुक्त व्यापार का सबसे बड़ा पैरोकार था, अब संरक्षणवाद की वकालत कर रहा है; और तर्क देते हुए कि चूंकि दुनिया के अन्य देश उच्च टैरिफ लगाते हैं, इसलिए अमेरिका भी उच्च आयात शुल्क लगाएगा, जिसे वह 'पारस्परिक टैरिफ' कहता है। इस टैरिफ युद्ध की घोषणा के साथ, विश्व व्यापार संगठन की प्रासंगिकता खत्म होती जा रही है।

मन की कड़वाहट मिटाने से समरसता आएगी

संकलित

दर्शन

हम अपने सोच व विचारों से अपना ऊर्जा क्षेत्र बनाते हैं। हमारे संकल्पों की गुणवत्ता ऊर्जा क्षेत्र की गुणवत्ता निर्धारित करती है। उस ऊर्जा क्षेत्र से हम अपने आपको अलग नहीं कर सकते। उसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रकंपन को हम हमेशा साथ लेकर चलते हैं, चाहें घर में प्रवेश करते हुए अथवा घर से बाहर निकलते हुए। जब किसी के बारे में हम अच्छा सोचते हैं और उसके प्रति हमारे विचारों को शुद्ध, सुंदर व सकारात्मक रखते हैं, तो स्वाभाविक है कि हम उसे एक प्रकार से आशीर्वाद देते हैं। आशीर्वाद देने का यह मतलब नहीं कि हम केवल औपचारिक रूप में शुभकामनाएं देते हैं। अगर हमारे पास किसी के लिए उपहार लेने के लिए पैसे नहीं हैं, तो हमारी ओर से उनके लिए सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि हम उनके घर-परिवार को आशीर्वाद दें। सामान्यतः दूसरों के लिए हम अपने सोच के साथ बोल को ध्यान में रखते हैं। भले ही हम उस व्यक्ति के लिए मन में नकारात्मक भावनाएं रखते हों, पर एक पल के लिए उसे बधाई भी देते हैं। इसका मतलब है, हम उसके लिए मन में अच्छा सोच भी पैदा कर सकते हैं। संबंधों का अर्थ ही है संकल्प रूपी ऊर्जा का आदान-प्रदान करना। मैं आपके बारे में जो सोचती हूं, वह आप तक पहुंचता है। आप मेरे बारे में जो सोचते हैं, वह मुझ तक पहुंचता है-यही हमारे संबंधों का आधार बनता है। यदि मैं आपके बारे में अच्छा सोच नहीं रखती और आपके लिए अच्छे काम करती हूं, तो मैं कितनी भी कोशिश क्यों न करूं, हमारे संबंध का नींव कभी मजबूत नहीं होगी।

बहरूपियों से हमेशा सतर्क और सावधान रहें

संकलित

प्रेरणा

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतरने लंबी सांस लेते हुए आराम के साथ कबूतरी से कहाः भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है। कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। और बेचारे उस कबूतरके वहीं प्राण पखेरू उड़ गए। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसके बाद राजा ने कबूतरी को ही उस शिकारी को सजा देने का अधिकार दे दिया। कबूतरी ने बहुत दुःखी मन से कहा किः मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए। ये अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े उतार दे क्योंकि अच्छे व्यक्ति वेल कपड़े पहन कर धोखे से घिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

मनोबल गिराने वाली कार्रवाई

किसी भी देश की सेना उस देश की आन, बान और शान होती है। अपने जीवन को देश की खातिर अर्पित कर, यह सैन्य बल देश की आजादी, अमन–चैन को कायम कर हमें खुली हवा में चैन की सांस लेने और नागरिक समाज को परिवारों सहित देश के भीतर खुशहाल बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अभी हाल ही में पंजाब राज्य के पटियाला में ऑन ड्यूटी सेवा में रहते हुए एक कर्नल साहब पुष्पेंद्र सिंह बाथ एवं उनके बेटे को पटियाला पुलिस के एक नहीं, बारह पुलिस के जवानों ने मिलकर डंडों से निर्ममता के साथ पिटाई कर अधमरा कर दिया। ऐसा अत्याचार तो कोई दुश्मन देश भी हमारे जवानों को पकड़ने के बाद उन पर नहीं करता। यह कार्रवाई सैन्य बलों का मनोबल गिराने वाली है। दोषियों को दंड मिलना चाहिए।

– मनोज रावत, राजनांदगांव

ट्रेंड

संरक्षित स्मारक नहीं

उत्तर प्रदेश के एटा लोकसभा क्षेत्र में स्थित महाकवि तुलसीदास और अमीर खुसरो की जन्मस्थलियां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार के तहत 'संरक्षित स्मारक नहीं हैं व किसी योजना में इनके विकास एवं संरक्षण का प्रस्ताव नहीं है।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री

सरकार सहयोग कर रही

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करना जनता के समर्थन के बिना संभव नहीं है। निर्वाचित सरकार प्रयास कर रही है और उपराज्यपाल का सहयोग कर रही है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और शांति बनी रहे।

-उमर अब्दुल्ला, सीएम, जेएंडके

नारायण गुरु के विचार अहम

शिक्षा के माध्यम से प्रबुद्ध बनें, संगठन के माध्यम से मजबूत बनें, और कड़ी मेहनत के माध्यम से समृद्ध बनें। - श्री नारायण गुरु के विचार। गुरु ने पिछली सदी में जाति व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था।

-राजीव चंद्रशेखर, पूर्व केंद्रीय मंत्री

भाजपा का फर्जी मुद्दा

भाजपा आज संसद को स्थगित कराने के लिए कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण और शिवकुमार के कथित बयान के रूप में एक पूरी तरह से फर्जी मुद्दा लेकर आई, ताकि न्यायमूर्ति वर्मा प्रकरण पर चर्चा न हो।

-जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

करंट अफेयर

अदालत ने हान के खिलाफ महाभियोग किया खारिज

दक्षिण कोरिया की संवैधानिक अदालत ने देश के प्रधानमंत्री हान डक–सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को सोमवार को खारिज कर दिया और देश के दूसरे नंबर के नेता को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में बहाल कर दिया लेकिन राष्ट्रपति यून सूक येओल के खिलाफ महाभियोग पर अभी फैसला नहीं सुनाया गया है। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के कारण यून के खिलाफ 'नेशनल असेंबली' द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद हान कार्यवाहक राष्ट्रपति बने थे। देश में मार्शल लॉ लागू किए जाने के कारण एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया था

ऑफ बीट

अल्जाइमर का रक्त परीक्षण से चल सकता है जल्दी पता

किसी व्यक्ति में अल्जाइमर रोग का निदान करने के लिए इन सभी लक्षणों का मौजूद होना जरूरी नहीं है, हालांकि मस्तिष्क में एमाइलॉइड–बीटा प्लाक और/या तो उलझनों की उपस्थिति आवश्यक है। इसके विपरीत, कुछ लोगों में बायोमार्कर परिवर्तन हो सकते हैं लेकिन कभी भी अल्जाइमर रोग के लक्षण विकसित नहीं हो सकते हैं। चूँकि मस्तिष्क में अन्य लक्षण प्रकट होने से वर्षों पहले रक्त में इन बायोमार्कर परिवर्तनों का पता लगाया जा सकता है, यह अल्जाइमर रोग का निदान करने का एक तेज़ और कम आक्रामक तरीका प्रदान कर सकता है।

संक्षेप

कुत्ते के विवाद में युवक पर कार चढ़ाने का मामला

बांदा में दबंगों की धमकी से परेशान दंपति ने वीडियो बनाकर सीएम से मांगा न्याय

बांदा, स्वराज कॉलोनी में होली के दौरान कुत्ते के विवाद में एक युवक पर दबंगों ने कार चढ़ा दी थी। गंभीर रूप से घायल युवक को कानपुर के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर लौटे युवक और उसके परिवार को दबंग लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। पीड़ित दंपति ने रोते हुए एक वीडियो बनाया है, जिसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वीडियो में उन्होंने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी दबंगों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित परिवार पिछले 10 दिनों से जिला प्रशासन के चक्कर काट रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस बीच दबंग खुलेआम धमकियां दे रहे हैं, जिससे परिवार भयभीत है।

दहेज हत्या के मामले में 10 साल की कैद

बांदा में कोर्ट ने सुनाई सजा, 6000 रुपये जुमार्ना भी

बांदा, उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में दहेज हत्या के एक मामले में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत की गई है। मामला 2020 का है, जब नरैनी थाना क्षेत्र में एक महिला की दहेज के लिए हत्या कर दी गई थी। मृतका के पिता राजू पाण्डेय ने 9 अक्टूबर 2020 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी कल्पना की शादी बरुआ स्योढ़ा गांव में हुई थी। ससुराल वालों ने दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित किया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में मामले की जांच तत्कालीन क्षेत्राधिकारी नरैनी सियाराम ने की। विवेचना के बाद 8 नवंबर 2020 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। लोक अभियोजक देवदत्त मिश्रा की प्रभावी पैरवी और कोर्ट कर्मचारियों के प्रयासों से न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। न्यायालय ने आरोपी को 10 साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

दुकान की छत पर मिला भिखारी का शव

10 दिन पुराना लग रहा शव, आसपास दुर्गंध फैलने पर हुई जानकारी

अमरोहा, नगर कोतवाली क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। टीपी नगर चौराहे के पास एक दुकान की छत पर एक भिखारी का शव मिला है। शव से फैल रही दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों को इसकी जानकारी मिली। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। टीपी नगर चौकी प्रभारी संदीप मलिक ने बताया कि शव करीब 10 दिन पुराना है। मृतक की उम्र 45 से 50 वर्ष के बीच आंकी गई है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रूपईडीहा बाजार में धड़ल्ले से बिक रहा है नकली सामान

रूपईडीहा में धड़ल्ले से बिक रही है सिंथेटिक मिठाइयां, संबंधित विभाग मौन

बरामद हुआ नकली हरा पत्ता वाशिंग पाउडर

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमावर्ती कस्बा रुपईडीहा का बाजार एक सीमावर्ती बाजार है जहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में नेपाली ग्राहक अपने दैनिक जरूरतो का सामान खरीदने रूपईडीहा बाजार आते हैं। परंतु रूपईडीहा में नकली वस्तुओं की आपूर्ति भी धड़ल्ले से की जा रही है। रूपईडीहा बाजार के व्यापारी और हरा पत्ता नामक वाशिंग पाउडर के एजेंसी के मालिक रितेश गुप्ता ने रूपईडीहा थाने में एक प्रार्थना पत्र देकर पुलिस को अवगत कराया था की रूपईडीहा के केवलपुर मोड के पास एक किराने की दुकान पर नकली हरा पत्ता वाशिंग पाउडर बेचा जा रहा है। जिस पर पुलिस ने छापा मार कर दो बोरी हरा पत्ता के नाम से वाशिंग पाउडर बरामद किया। जिसको प्रथम दृष्टिया लोगों के अनुसार नकली कहा जा रहा था। उस वाशिंग पाउडर को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर थाने आ गई और उसकी जांच का कार्य शुरू कराया। इस संबंध में जब रूपईडीहा थाना के उपनिरीक्षक एवं कस्बा इंचार्ज विजय यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया की हरा पत्ता के आर्थराइज एजेंसी मालिक के प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लेते हुए केवलपुर चौराहे के पास स्थित एक किराने की दुकान पर छापा मार कर दो बोरा वाशिंग पाउडर बरामद किया गया है। जिसकी जांच चल रही है। जांच होने के बाद ही पता चलेगा कि यह वाशिंग पाउडर असली है या नकली। अगर नकली पाया गया तो उपरोक्त पर कानूनी करवाई की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि इसका श्रोत कहा है, ये कहा बनाया जाता है। ज्ञात हो कि रुपईडीहा बाजार में इस समय कई सामान नकली बिक रहे हैं। यहां तक की सिंथेटिक मिठाइयों की दो बड़ी-बड़ी दुकाने रूपईडीहा में खुली हुई हैं जो धड़ल्ले से रुपईडीहा और नेपाल में सिंथेटिक मिठाइयां बेच रहे हैं। लेकिन कोई संबंधित विभाग ने आज तक उस दुकान पर छापा नहीं मार सका है। जबकि सारा रूपईडीहा के लोगों को इस बात की जानकारी है कि रूपईडीहा सिंथेटिक मिठाई रूपी जहर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। रूपईडीहा के संभ्रांत नागरिकों में मांग की है कि रूपईडीहा के बेचे जा रहे नकली सामानों की जांच संबंधित विभाग द्वारा किया जाए और समाज को खोखला करने वाले इन समाज के दुश्मनों पर कानून के मुताबिक कार्यवाही किया जाए।

पुराने विवाद को लेकर दबंगो ने धारदार हथियार से किया हमला, तीन घायल

अभियोग दर्ज कर घायलों का खैरीघाट पुलिस करवा रही उपचार

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। बहराइच जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के दलजीत पुरवा ग्राम पंचायत के अहिरन पुरवा गांव निवासी दिनेश कुमार पुत्र दयाराम ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि पुरानी रंजिश व रिश्तेदारी के पूर्व विवाद को लेकर गांव निवासी हरिराम पुत्र खेलावन, राम रूप, कलावती, एवं रामरूप की पत्नी आदि लोग भद्दी भद्दी गालियां दे रही थी। जिसका विरोध किया तो सभी एक साथ लाठी, डंडा व धारदार हथियार से हमलावर हो गए। बीच बचाव करने आए मेरे भाई शोभाराम व पिता दयाराम पर भी हमलावर हो गए। जिसमें शोभाराम के सिर में व दयाराम और दिनेश कुमार के हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में सभी को परिजन थाने लेकर आए। कार्यवाही एवं न्याय की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी घायलों को इलाज के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष जयदीप कुमार दुबे ने बताया कि मारपीट हुई है। रिश्ते में सास ससुर और दामाद है। मुकदमा दर्ज किया गया है। आवश्यक जांच पड़ताल करवाई जा रही है, दबंग पर संवैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सेवा सुरक्षा व सुशासन के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। प्रदेश सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विधानसभा स्तर के कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला ने आमजन को शासन की नीति, नीयत एवं विकास से अवगत कराया। मौके पर गर्भवती महिलाओं को फल वितरण भी किया गया। इस मौके पर समाजसेवी अमोल मोदनवाल, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विक्की यादव, महामंत्री मनोज सिंह, लीलाधर पांडेय, मंडल उपाध्यक्ष सत्येंद्र मिश्रा, बूथ अध्यक्ष प्रेम चौधरी, आयुष अग्रवाल व अन्य पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यालय प्रबंध समिति पदाधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। विकास क्षेत्र नवाबगंज अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में गठित विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन रूपईडीहा स्थित लॉर्ड बुद्धा पीजी कॉलेज के सभागार में किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा के निर्देशन में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता सुनील कुमार, राकेश मौर्या एवं सुशील पोरवाल ने प्रतिभागियों को बाल अधिकार एवं बाल अधिकारों का संरक्षण, निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के मुख्य प्राविधानों, विद्यालय प्रबंध समिति की संरचना, गठन, कार्यकाल, दायित्व एवं कार्य, विद्यालय विकास योजना, सोशल ऑडिट, आउट आफ स्कूल बच्चों का चिन्हांकन, नामांकन तथा विशेष प्रशिक्षण, बालिका शिक्षा, आपरेशन कायाकल्प में विद्यालय प्रबंधन समिति के कार्य एवं दायित्व तथा विद्यालय विकास में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। संदर्भदाता सुनील कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों द्वारा जनपहल प्रशिक्षण माड्यूल के माध्यम से विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के समापन सत्र को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा ने कहा कि मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारियों का सम्यक उपयोग करते हुए विद्यालय प्रबंधन समितियों को सुदृढ़ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस दौरान शिक्षक कैलाश नाथ वर्मा, तीरथ राम, पवन कुमार, अविराज सैनी, आनंद, अजय मिश्रा, त्रिलोकी नाथ वर्मा, वैभव सिंह विशेन, सुग्रीव वर्मा, विनोद गिरि, शैलेन्द्र वर्मा, वैभव सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आकाँक्षी नगर योजना के तहत स्कूलों मे स्मार्ट क्लास बनने का कार्य शुरू

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा नगर पंचायत को आकाँक्षी नगर योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मिलित किया गया था। इसी योजना के तहत नगर पंचायत के 7 प्राथमिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस का निर्माण करने की योजना सरकार की तरफ से है। जिसके तहत रुपईडीहा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास बनने का कार्य शुरू हो चुका है। नगर पंचायत रूपईडीहा के सीएम फेलो इंजीनियर रामेश्वर ने बताया की नगर पंचायत रुपईडीहा को चूंकि आकांक्षी नगर के तहत सम्मिलित किया गया है। इसलिए रुपईडीहा के सात प्राथमिक विद्यालयों के कक्षाओं को स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रत्येक स्मार्ट क्लास के लिए सरकार की तरफ से दो लाख पचास हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। इसलिए इसी योजना के तहत रुपईडीहा के प्राथमिक विद्यालय केवलपुर, खुसली पुरवा, गोकुलपुर, पचपकड़ी, रुपईडीहा गांव, रूपईडीहा प्रथम तथा रुपईडीहा द्वितीय विद्यालय को सम्मिलित किया गया है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय रूपईडीहा गांव में स्मार्ट क्लास बनने का कार्य शुरू हो चुका है। इंजीनियर रामेश्वर ने बताया कि इसमें अतिरिक्त कक्ष बनाने की भी योजना है जिसके लिए सरकार ने लगभग 9 लाख रुपए बजट का प्रावधान रखा है लेकिन उसकी स्वीकृत अभी नहीं हुई है। पहले ये कार्य हो जाएगा तत्पश्चात अतिरिक्त कक्ष का कार्य भी आगे बढ़ाया जाएगा।

दबंगो ने रेस्टोरेंट पर किया कब्जा पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कस्बा के बाहर लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर 20 से अधिक युवको ने पहुंचकर कर्मचारियों को मारपीट कर सीसी टीवी निकाल ली और कब्जा कर लिया पीड़ित ने पुलिस सहित एसडीम को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। हसनगंज कस्बा निवासी शुभम रस्तोगी ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके रिश्तेदार 20 से अधिक युवकों के साथ रेस्टोरेंट पर आए गाली गलौज व मारपीट कर शुभम रस्तोगी सहित सभी कर्मचारियों को भगा कर कब्जा कर लिया रेस्टोरेंट मालिक शुभम रस्तोगी ने बताया कि मेरे पिता का कब्जा धारियों के साथ कुछ रुपए लेनदेन का विवाद चल रहा है। जबकि रेस्टोरेंट मेरे नाम है। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र देकर कार्य वाई की मांग की है। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि मामला जानकारी में आया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पारले मिल ने जारी की द्वितीय बन्दी तिथि

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। पारले चीनी मिल द्वारा 30 मार्च 2025 के लिए द्वितीय बंदी सूचना जारी कर दी गई है और किसानों के कैलेंडर की समस्त पर्चियां जारी करते हुए किसानों से अनुरोध किया है की वह जल्द से जल्द अपना गन्ना आपूर्ति कर दे। जिन किसानों के खाते में पर्चियां नहीं है वह 27 मार्च से क्रय केंदों एवं 29 मार्च से मिल गेट पर फ्री पर्ची प्राप्त कर गन्ना सप्लाई कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत सम्पन्न हुआ 36 कन्याओं का विवाह

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व परिजनों ने दिया वर-वधू को आशीर्वाद

बाबुल का आंगन बना महाराज सिंह इंटर कालेज

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अन्तर्गत महाराज सिंह इण्टर कालेज परिसर में विकास खण्ड चित्तौरा, रिसिया, मिहींपुरवा, महसी, शिवपुर, तेजवापुर, फखरपुर, कैसरगंज के अंतर्गत 32 हिंदू जोड़ों व 04 मुस्लिम जोड़ों कुल 36 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी एवं सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला प्रोवेशन अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट स्वागत किया। वैवाहिक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक पयागपुर श्री त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमन्द तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु केन्द्र व राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। श्री त्रिपाठी ने सामूहिक विवाह जैसी योजना संचालित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार जताया। सदर विधायक प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने सभी नव विवाहित दम्पत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गरीब कन्याओं के विवाह के लिए दृढ़ संकल्पित है। जिसके लिए प्रदेश में प्रति वर्ष 01 लाख से अधिक गरीब कन्याओं के विवाह के लिए बजट का प्राविधान किया गया है। अतिथिगण ने ने प्रथम वेदी पर बैठ कर विधिवत पूजा पाठ सम्पन्न करने के उपरांत हिन्दू सप्तपदी विवाह विधि से कन्याओं का कन्यादान करते हुए नव दम्पत्तियों को वैवाहिक सामग्री और मिष्ठान का वितरण कर सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर सम्बन्धित अधिकारी, गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा बडी संख्या में वर वधू पक्ष के सगे सम्बन्धी मौजूद रहे।

जंगल से निकला तेंदुए का शावक : अमरोहा में किसान को खेत में दिखा

ग्रामीणों ने पकड़कर वन विभाग को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, थाना देहात क्षेत्र के जलालपुर घना गांव में एक अजीब घटना सामने आई। एक किसान जब अपने खेत में पानी दे रहा था, तब अचानक उसके सामने तेंदुए का शावक आ गया। किसान ने घबराकर आवाज लगाई। उसकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए शावक को पकड़ लिया। उन्होंने तुरंत वन विभाग को इस घटना की सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने शावक को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। डीएफओ एसपी सिंह ने इस घटना के बाद ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही बताया कि जहां शावक मिला है। वहां पिंजरा लगाया जाएगा। उधर तेंदुए का शावक मिलने से ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है।

सड़क हादसे में घायल युवक को सीओ ने अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्राधिकारी अरविंद कुमार चौरसिया ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। बुधवार रात 11 बजे वे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर गस्त कर रहे थे। श्रीवास ढाबा के सामने भीड़ देखकर उन्होंने अपनी गाड़ी रोकी। वहां एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर तड़प रहा था। मौके पर मौजूद भीड़ सिर्फ तमाशबीन बनी हुई थी। कोई भी घायल को अस्पताल ले जाने को तैयार नहीं था। सीओ चौरसिया ने तुरंत घायल युवक को अपनी गाड़ी में बैठाया और खुद उसे बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। अस्पताल पहुंचते ही युवक का उपचार शुरू कर दिया गया। सीओ की इस त्वरित कार्रवाई से युवक की जान बच गई। स्थानीय लोगों ने सीओ अरविंद चौरसिया की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि आजकल लोग सड़क हादसे में घायलों की मदद करने से कतराते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हर कोई सीओ चौरसिया जैसी सोच रखे, तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

डॉक्टर बनकर किया निकाह, फिर मांगने लगा दहेज

पीड़िता ने लगाया आरोप, बोली–जेठ कमरे में आकर करता था अश्लीलता

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में ससुरालियों के उत्पीड़न से होकर एक पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया है। उसने बताया कि उसका निकाह रेलवे क्रासिंग भमोला निवासी फराज अहमद पुत्र स्व. मुजम्मिल अहमद से हुआ था। जब निकाह हुआ तो ससुरालियो ने बताया था कि फराज एक एमबीबीएस डॉक्टर है। जिसके बाद पीड़िता के पिता जो खुद एक डॉक्टर हैं, उन्होंने उसका निकाह कराया। उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार दान दहेज दिया और लगभग 16 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन निकाह के कुछ दिन बाद ही आरोपी ससुरालजन 10 लाख नकद और एक कार की मांग करने लगे। इसी बीच उसे पता चला कि उसका शौहर डॉक्टर नहीं है और उसकी डिग्री भी फर्जी है। पीड़िता ने बताया कि उसका निकाह 4 जून 2021 को हुआ था। इसके कुछ दिन बाद ही उसे पता चल गया था कि उसका शौहर डॉक्टर नहीं है। लेकिन सारी बात जानने के बाद भी वह चुप थी और अपने ससुराल में रह रही थी। लेकिन आरोपियों ने उससे दहेज के लिए मारपीट शुरू कर दी। लगातार प्रताड़ना की जानकारी होने पर उसके पिता ने आरोपी को एक इग्निस कार दिला दी। इसके साथ ही उसे बताया कि वह लोग अब रिटायर हो चुके हैं और उनके पास अब रुपए नहीं हैं। लेकिन ससुराल के लोग लगातार 10 लाख रुपए की मांग पर हटे रहे और उसे लगातार प्रताड़ित करते रहे। इसी बीच उसे यह भी पता चला कि उसका शौहर एक अन्य महिला के भी संपर्क में है। पीड़िता ने बताया कि उसका बड़ा जेठ साउद अहमद जो कि अविवाहित है, वह उसके साथ छेड़छाड़ करता था। जब वह कमरे में अकेली होती थी तो आरोपी कमरे में आ जाता था और अश्लीलता करता था।

संक्षेप

भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान का अनूपशहर में भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

अनूपशहर, बुलंदशहर में भाजपा के जिलाध्यक्ष विकास चौहान का भव्य स्वागत समारोह गांव बिचौला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक प्रमुख अतुल सिंह के आवास पर किया गया। इस अवसर पर हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी यशपाल सिंह ने की। भाजपा नेता सौरभ गौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। ब्लॉक प्रमुख अतुल कुमार सिंह ने जिलाध्यक्ष का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। उन्होंने विकास चौहान को तलवार, पगड़ी और पटका पहनाया। अतुल कुमार सिंह ने विकास चौहान के नेतृत्व में जिले में पार्टी संगठन के और मजबूत होने की बात कही। उन्होंने आने वाले चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा जताया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले डेढ़ साल में पार्टी को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। चौहान ने प्रदेश नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का संकल्प लिया। साथ ही सभी कार्यकताओं को साथ लेकर चलने की बात कही। कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इनमें जिला उपाध्यक्ष दीपक ऋषि, युवा मोर्चा अध्यक्ष दिवाकर सिंह, दीपक दूल्हेरा, जहांगीराबाद ब्लॉक प्रमुख पति मनोज खालोर और दानपुर ब्लॉक प्रमुख अनार सिंह प्रमुख थे। चौधरी ओंकार सिंह, दीपांश गर्ग, पराग गर्ग, अनूराग राघव, महेश राघव और बिन्दु सैफी भी उपस्थित रहे।

किसानों का तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, स्याना में किसान यूनियन अराजनीतिक के कार्यकताओं ने सार्वजनिक कुएं से अवैध कब्जा हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी के नेतृत्व में दर्जनों किसान स्टेट हाईवे स्थित कार्यालय पर एकत्रित हुए। त्यागी ने बताया कि तहसील क्षेत्र के गांव भड़काऊ में सार्वजनिक स्थल पर बने कुएं पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि इस कुएं से क्षेत्र के सैकड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है और यहां पूजन भी किया जाता है।

नगदी और जेवर के साथ किशोरी प्रेमी संग फरार

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, शिकारपुर के थाना पहासू क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने गांव के ही एक युवक फैसल पर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता अपने साथ घर से 12 तोले चांदी के जेवर और 50 हजार रुपए नकद भी ले गई है। परिजनों ने आरोपी फैसल के घर जाकर पूछताछ की। लेकिन उसके परिजनों ने किसी जानकारी से इनकार कर दिया। पीड़िता के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बेटी की सुरक्षित वापसी की मांग की है। पुलिस ने नगला खेड़ा गांव निवासी फैसल पुत्र इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

त्रिदिवसीय विकास प्रदर्शनी का हुआ समापन

दिव्यांगों को मिली साइकिल शिक्षकों द्वारा लगाए गए टीएलएम स्टॉल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के देवमयी एवं अमौली विकासखंड ब्लॉक संसाधन केंद्र अंतर्गत चल रहे तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश भारत ग्रोथ इंजन के तहत प्रदर्शनी का समापन हुआ देवमयी ब्लॉक संसाधन केन्द्र में ब्लॉक प्रमुख सोनम पटेल की अध्यक्षता में हुई तीन दिवसीय प्रदर्शनी अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ल के निर्देशन पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा सुंदर-सुंदर टीएलएम स्टाल लगाए गए कार्यक्रम के द्वितीय दिवस क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने सिरकत प्रदान की वही खंड विकास अधिकारी समेत बाल विकास पुष्टाहार विभाग की सुपरवाइजर आदि ने सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारियां दी कार्यक्रम के अंतिम दिवस भव्य रूप से ब्लॉक संसाधन केंद्र सजाया गया जहां प्राथमिक

विद्यालय जगदीशपुर की अध्यापिका कल्पना गौतम देवमई के आशीष पटेल कंपोजिट विद्यालय चिल्ली की अध्यापिका इरम गलाथा की मोनिका सिंह तथा टरुवापुर की रिचा सचान समेत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने सुंदर-सुंदर टीएलएम बनाकर अतिथियों का मन मोह लिया टीएलएम शिक्षिकाओं ने वूमेन पावर 1090 वृक्षारोपण हरित क्रांति बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ इत्यादि के बैनर पोस्टर एवं रंगोली बनाई कार्यक्रम के समापन दिवस पर समाज कल्याण विभाग द्वारा कैंप लगाकर विकासखंड के दिव्यांगजनों को व्हीकल साइकिल वितरित की गई कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी समेत खंड विकास अधिकारी देवमयी आदि सभी शिक्षक एवं सैकड़ो की संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही ठीक इसी प्रकार जनपद के अमौली विकासखंड में उत्सव समारोह के अंतिम दिवस खंड विकास अधिकारी सुरेश शिवहरे खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल सीडीपीओ अजय सिंह ने प्रिया सूर्यांश समेत चार बच्चों को उपयोगी किट तथा हरिओम समेत चार दिव्यांगों को ट्राई साइकिल भेंट कर सम्मानित किया तीनों दिवसों के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं एवं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने जागरुकता प्रदर्शनी में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी ली इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र सचान प्रधानाध्यापक देवकांत तिवारी समेत भारी संख्या में शिक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रही।

शादी का झांसा देकर ठगी करने वाली लुटेरी दुल्हन सहित चार गिरफ्तार

गिरोह बनाकर गैर शादीशुदा मर्दों को बनाते थे निशाना

अमन लेखनी समाचार

ककरवई, गरौठा। गैर शादी शुदा लोगों को शादी का झांसा देकर उनसे ठगी करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डालचंद्र पुत्र मनीराम निवासी ग्राम बरमाईन ने 26 मार्च 2025 को ककरबई थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी शादी नहीं हुई थी वह अपनी शादी करवाना चाहता था। इसी दौरान रानी तिवारी निवासी जबलपुर से शादी के लिए उसकी बात हुई।रानी तिवारी ने उससे कहा कि एक लाख रुपए में हम तुम्हारी शादी करा देंगे। 21 मार्च 2025 को रानी तिवारी एक लड़की जिसका नाम रोजी एवं उसके साथ दो अन्य लोगों को लेकर मेरे गांव आई, और बताया कि यह लड़की तुमसे शादी करने के लिए तैयार है।जिस पर मैने रानी तिवारी को 1 लाख रुपए दे दिए, पैसे लेकर वह चली गई।24 मार्च को रात्रि में करीब 2:00 बजे जय कुशवाहा एवं आदित्य श्रीवास निवासी जबलपुर मध्य प्रदेश मोटरसाइकिल से आए और मेरी मारपीट कर रोजी को अपने साथ ले जाने लगे।तब मैने उन लोगों को परिवार के लोगों की मदद से पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों में रोजी खान उसका पति सगीर ,जय कुशवाहा एवं आदित्य श्रीवास निवासीगण जबलपुर (म०प्र०) शामिल है।पुलिस क्षेत्राधिकारी गरौठा राजेश कुमार राय ने बताया कि ये लोग गिरोह बनाकर शादी का झांसा देकर ठगी करते थे। उक्त घटना के संबंध में थाना ककरवई में 5 नामजद एवं 2 अज्ञात लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा घटना की मास्टर माइंड रानी तिवारी सहित अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक विजय शंकर मिश्रा,हेड कांस्टेबल राम आसरे,सिपाही अजय कुमार,दीपक कुमार ,महिला सिपाही ऋतिका शामिल रहे।

कु. देवांशी साहू का नवोदय में हुआ चयन

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झाँसी। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रवेश परीक्षा के परिणाम आने पर नगर के छात्र छात्राओं ने एक बार पुनः उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नगर व क्षेत्र के कई बालक बालिकाओं के जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन होने पर हर्ष व्यक्त किया गया।के सी जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल की छात्रा वमुहल्ला परकोटा निवासी नीरज रजनी साहू की पुत्री कु देवांशी साहू का नवोदय में चयन होने पर हर्ष व्यक्त किया है।इस मौके पर विद्यालय के प्रवन्धक प्रकाश चन्द्र जैन ने कु० देवांशी साहू को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उसके उज्वल भविष्य की कामना की।इस दौरान प्रधानचार्य राजेश मसीह,उप प्रधानचार्य संजीव कुमार,जीतू वर्मा, सचिन जैन रश्मि तिवारी आस्था खरे आदि मौजूद रहे।संचालन कोषाध्यक्ष प्रिन्स जैन ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में गीतकार समीर अंजान ने गीतों एवं साहित्य का अनुभव किया साझा

कुलपति मुकेश पांडे के नेतृत्व में शिक्षा के सर्वोच्च शिखर की ओर अग्रसर हो रहा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय: डॉ. संदीप

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तक मेले का भव्य आयोजन किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम एक शाम समीर अंजान के नाम में 4000 से अधिक गीतों को लिखने वाले प्रख्यात गीतकार समीर अंजान का सम्मान बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति, समाजसेवी डॉ० संदीप सरावगी एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समीर अंजन की पुस्तक ॼलफ्जों के साथ एक सफरनामाॼ का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में समीर अंजान ने अपने जीवन वृतांत का विवरण देते हुए बताया कि हर सफल आदमी की सफलता के पीछे उसका संघर्ष छिपा होता है। अमिताभ बच्चन से लेकर अंबानी तक सभी ने अपने जीवन में संघर्ष किया है। बिना संघर्ष के जो हमें हासिल होता है वह क्षणिक होता है कार्यक्रम में प्रसिद्ध साहित्यकार विवेक मिश्रा ने युवाओं को लिखने के महत्व के बारे में समझाया उन्होंने कहा अपने अंदर की भावनाओं को लेखनी में प्रस्तुत करना ही एक साहित्यकार का मुख्य कार्य होता है हमारे अंदर विचार तो कई आते हैं लेकिन उन्हें शब्दों में पिरोना ही असली कला है। संबोधन के क्रम में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के अध्यक्ष हरगोविंद कुशवाहा ने कहा लेखक बनना आसान कार्य नहीं है इसके लिए कठिन तपस्या करनी पड़ती है आज तक विश्व भर में जितना भी साहित्य लिखा गया उसमें रामचरितमानस सर्वश्रेष्ठ है जो आदिकाल से भविष्य तक जीवन जीने की कला को दशार्ता है। अगले क्रम में समाजसेवी डॉक्टर संदीप ने कहा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय शिक्षा का अभेद दुर्ग है वर्तमान कुलपति मुकेश पांडे के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने नये आयामों को छुआ है विश्वविद्यालय से पढ़कर कई छात्र छात्राएं आज महत्वपूर्ण पदों पर एवं राजनीति के क्षेत्र में भी जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक का होना भी आवश्यक है मार्गदर्शक के रूप में कुलपति जी ने एक कुशल सारथी की भूमिका निभाई है जिन्होंने शिक्षा रथ पर सवार होकर छात्र-छात्राओं को सही रास्ता दिखाया है। कार्यक्रम में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी सुंदर प्रस्तुतीकरण किया गया कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं आगंतुकों द्वारा करतल ध्वनि के साथ उत्साह वर्धन भी किया गया। कार्यक्रम में अलग-अलग सत्रों का संचालन क्रमशः प्रो० अचला पाण्डेय, रिचा सेंगर व डॉ० विपिन प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से हिंदी विभाग अध्यक्ष मुन्ना तिवारी, कुल सचिव विनय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक राज बहादुर, डॉ० शैलेंद्र तिवारी, डॉ० श्रीहरि त्रिपाठी, नवीन चंद्र पटेल, डॉ० प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉ० द्युती मालिनी, डॉ० आशीष दीक्षित, डॉ० सत्येंद्र चौधरी, डॉ० सुनीता वर्मा, डॉ० आशुतोष शर्मा, डॉ० राघवेंद्र आदि उपस्थित रहे।

किसान की बेटी का आंगनवाड़ी कार्यकत्री पद पर हुआ चयन

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। गरौठा तहसील अंतर्गत ग्राम कचीर निवासी आमना बानो पुत्री सिकंदर खां को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उ०प्र० शासन द्वारा विकासखंड बामौर के ग्राम पंचायत कचीर में आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पद पर चयनित किया गया।आमना बानो के पिता एक किसान है ,जिन्होंने मेहनत,मजदूरी करके अपनी बेटी को स्नातक के साथ साथ आईटीआई की पढ़ाई करवाई। बेटी की पढ़ाई के लिए उन्होंने कभी भी पैसों की कमी नहीं आने दी। पढ़ाई के साथ साथ आमना ने अपने पिता के कामों में भी लगातार हाथ बंटवाया। अपनी लगन और मेहनत से आमना ने हाईस्कूल , इंटर और स्नातक की परीक्षा अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण की।जिसके आधार पर आज उनका आंगनबाड़ी के पद पर चयन हुआ। आमना के चयन होने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी।

योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर प्रदर्शनी

- विकास कार्यों की दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, मोदीनगर के नगर पंचायत पतला स्थित कृष्णा पार्क में उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्षों के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी में योगी सरकार द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति, सड़क निर्माण कार्यों और पारदर्शी पुलिस भर्ती प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को समय पर भुगतान जैसी उपलब्धियों को भी दशार्या गया।

कार्यक्रम में नगर पंचायत पतला की अध्यक्ष रीता चौधरी, अधिशासी अधिकारी आंचल पांडे और राष्ट्रीय लोकदल नेता योगेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा स्थानीय सभासद, प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। यह प्रदर्शनी तक जारी रहेगी। इस दौरान नगर पंचायत पतला में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

4 बच्चों को मार फांसी पर लटका पिता

चापड़ से सभी की गर्दन काटी; पत्नी झगड़े के बाद मायके चली गई थी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, शाहजहांपुर में पिता ने 4 बच्चों की सोते वक्त हत्या कर दी। इसके बाद खुद फांसी पर लटककर सुसाइड कर लिया। वारदात के वक्त पत्नी मायके गई थी। बच्चों की इतनी बेरहमी से हत्या की गई थी कि शव देखकर पुलिसवाले भी सहम गए। पूरे कमरे में खून बिखरा हुआ था। 3 बच्चियों और एक बेटे का शव चारपाई पर पड़ा था। सभी की गर्दन कटी हुई थी। पास में ही चापड़ रखा था। उसी कमरे में फंदे पर पिता का शव लटका हुआ था। घटना रोजा थाना क्षेत्र के मानपुर चकरी गोटिया गांव की है। एसपी सिटी देवेंद्र सिंह ने बताया- पिता का नाम राजीव कुमार है। पिता ने बेटी स्मृति (12), कीर्ति (9) और प्रगति (7) और बेटे रिषभ (11) की सोते वक्त हत्या की है। फिर खुद सुसाइड कर लिया। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने कमरे की जांच की है। वारदात के वक्त घर में पिता और 4 बच्चे ही थे। राजीव के पिता पृथ्वीराज ने पुलिस को बताया कि वह घर के बाहर थोड़ी दूर खेत में सोता था। घर पहुंचे तो गेट अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज लगाई, लेकिन गेट नहीं खुला। इसके बाद पड़ोसियों को बुलाया। दीवार फांदकर अंदर गया तो कमरे में चारों तरफ खून बिखरा हुआ था। चारों बच्चों की खून से लथपथ लाश चारपाई पर पड़ी हुई थी। जबकि राजीव फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने बताया कि बहू एक दिन पहले ही मायके गई थी। एक साल पहले एक्सीडेंट हुआ था, सिर पर आई थी चोट पिता पृथ्वीराज ने बताया कि एक साल पहले राजीव का एक्सीडेंट हो गया था। उसके बाद मानसिक रूप से बीमार रहने लगा था। राजीव का बरेली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। राजीव ने अपने अपने डॉक्टर से कहा था कि मुझे लगता है कि मुझको सब मार देंगे। दिमाग में अजीब सी सनसनाहट होती है। ये बात डॉक्टर ने इलाज वाले पर्चे पर भी लिखी थी। हालांकि एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा और आईजी राकेश कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि वह मानिसक रूप से बीमार था। उसके बाद उसने अपने बच्चो की हत्या करने के बाद सुसाइड किया है। एक साल से बेरोजगार, पत्नी से होता था झगड़ा पड़ोसियों ने बताया कि राजीव की 14 साल पहले क्रांति से शादी हुई थी। पहले वह मजदूरी करता था। एक्सीडेंट के बाद मानसिक स्थिति खराब होने के कारण बीते एक साल से बेरोजगार था। घर पर ही रहता था। पिता पृथ्वीराज के पास 4 बीघा पट्टे की जमीन है। इसी से घर का गुजारा चलता था। आर्थिक तंगी के कारण आए दिन पत्नी से विवाद होता था। बुधवार को भी झगड़ा करके पत्नी अपने मायके चली गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर राजीव की पत्नी क्रांति भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची। क्रांति ने रोते हुए अपने ससुर पृथ्वीराज से कहा- मैं आपसे कहकर गई थी कि बच्चों को अपने पास सुला लेना। इस आदमी का कोई भरोसा नहीं। इसपर पृथ्वीराज ने बताया कि छोटा बेटा रिषभ रात में उसी के संग घर के बाहर सोया था। पर रात में राजीव उसे भी घर के अंदर लेकर चला गया। क्रांति ने बताया कि उसने बच्चों को भी मायके ले जाने की बात कही थी, पर राजीव ने नहीं ले जाने दिया था।

मंत्री जी को लगी गर्मी, अफसरों को आया पसीना

सरकार के तीन साल पूरा होने पर कार्यक्रम में नहीं थी व्यवस्था, कूलर लगाकर मंत्री जी का पसीना पोंछा गया

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, सरकार के 3 साल पूरा होने पर बुलंदशहर की रविन्द्र नाट्यशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अत्यधिक लोगों की भीड़ होने से नाट्यशाला के हॉल का तापमान बढ़ गया। इसके कारण हॉल में गर्मी बढ़ गई। हॉल में कूलर और पंखे की कोई व्यवस्था नहीं थी।

प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना को काफी गर्मी लगी। गर्मी के कारण मंत्री जी का पसीना छूटने लगा। मंत्री जी का पसीना छूटता देख अफसरों के भी पसीने छूट गए। आनन फानन में दो कूलर लगाकर मंत्री जी को ठंडक का अहसास दिलाया गया। मंत्री के पसीने छूटने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। मंत्री ने गिनाई

सरकार की उपलब्धि सरकार के 3 साल पूरा होने पर प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना ने सरकार की उपलब्धि को गिनाया। प्रभारी मंत्री ने बताया कि बुलंदशहर में पिछले 3 साल में हजारों करोड़ के विकास कार्य किए गए है। बुलंदशहर में मेडिकल कॉलेज बनवाया गया है। सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण कराया गया है। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर की नहरों का चौड़ीकरण किया गया। सिंचाई के संसाधनों को किसानों तक पहुंचाया। अनूपशहर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। बुलंदशहर में सीवरेज प्लांट लगाया गया।

पेटीएम के जरिए लाखों रुपए हड़पने का आरोप,मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना अंतर्गत हरीपुर में रहने वाले विवेक शुक्ला ने सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्री बालाजी कार्गो मूवर्स के चंद्रभान सिंह के खिलाफ पेटीएम के जरिए 1,89,900 हड़पने की लखनऊ के सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विवेक शुक्ला के मुताबिक वह लखनऊ के सरोजनीनगर स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में सुमन रोड लाइन्स नाम से ट्रांसपोर्ट चलते हैं। उनका कहना है कि 4 अप्रैल को उनकी बहन का तिलक है ।जिसकी वजह से वह 21 मार्च को रात करीब 11 बजे चारबाग पहुंचे। तभी ट्रांसपोर्ट नगर स्थित अपने गोदाम पार्टनर श्री बालाजी कार्गो मूवर्स के चंद्रभान सिंह को फोन मिलाया। जहां चंद्रभान ने विवेक को राजा बाजार बुलाया। उसके बाद रात में करीब 2 बजे खाना खाकर ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचे। देर रात तक जगने के कारण विवेक को नींद आ गई। विवेक का कहना है उनका मोबाइल चंद्रभान की गाड़ी में छूट गया। जिसका पासवर्ड और पेटीएम का पासवर्ड चंद्रभान को मालूम था। विवेक ने आरोप लगाया की चंद्रभान ने 22 और 23 मार्च को दो दिनों में कई बार में उनके मोबाइल के जरिए पेटीएम से 1,89,900 रुपये अलग-अलग खाते में ट्रांसफर कर लिए। विवेक ने चंद्रभान के ऊपर पैसे ट्रांसफर करने का संदेह जताते हुए सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दबंगों ने घर में घुसकर किया हमला

सास-बहू और बेटे को किया घायल, कैश और जेवर भी लूटे; 6 के खिलाफ केस

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, सरधना नगर के मोहल्ला सांसी पुरा में एक परिवार पर दबंगों ने हमला कर दिया। इस घटना में आरोपियों ने पहले घर पर पथराव किया। फिर घर में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। पीड़िता सुभाष की पत्नी ने बताया कि पड़ोसी दबंग पहले से उनसे रंजिश रखते हैं। आरोपी योजना बनाकर उनके घर आए और ईंट-पत्थर फेंकने लगे। विरोध करने पर घर में घुस आए और हमला कर दिया। बचाव में आए बेटे गोल्डी और बहू माला को भी पीट दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दबंग घर में रखी नकदी और उनके कानों के कुंडल भी छीनकर ले गए। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले आरोपी फरार हो गए। बाद में जब पीड़ित परिवार थाने पहुंचा, तो आरोपियों ने उनके घर के बाहर खड़े

होकर गालियां दीं। पीड़ित परिवार ने तीन महिलाओं समेत छह लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस चौकी इंचार्ज राहुल कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई की जाएगी। घायलों को इलाज के लिए सीएससी भेजा गया है।

संक्षेप

बंद दुकान से तीन लाख का सामान चोरी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। इंगोहटा में बेल्डिंग की बंद दुकान से अज्ञात चोर तीन लाख कीमत का सामान चोरी करके ले गए। घटना गत चार मार्च की है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इंगोहटा निवासी अनंतदेव मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता गांव से बाहर हैं। गत चार मार्च को इंगोहटा छानी मार्ग किनारे उसकी बेल्डिंग की दुकान से अज्ञात चोर बेल्डिंग मशीन, ग्लाइंडर, दो कुंतल से अधिक लोहा सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

छात्र ने नवोदय प्रवेश परीक्षा में पाया प्रथम स्थान

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के गैस एजेंसी मार्ग निवासी एक छात्र ने नवोदय प्रवेश परीक्षा की कक्षा नौ में प्रथम स्थान लाकर कस्बा सहित घर परिवार का नाम रोशन किया है। गैस एजेंसी मार्ग निवासी सेना के रिटायर्ड सूबेदार मोहनलाल यादव के पुत्र अनुज यादव ने नवोदय प्रवेश परीक्षा कक्षा नौ में प्रथम स्थान प्राप्त करके कस्बा सहित घर परिवार का नाम रोशन किया है। छात्र की सफलता पर घर में हर्ष का माहौल है। छात्र ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों के साथ माता-पिता को दिया है।

समाधि स्थल से बैटरी चोरी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। श्री गायत्री तपोभूमि प्रांगण के विरक्त आश्रम में समाधि स्थल से अज्ञात चोर दो बैटरियां चोरी करके फरार हो गए। विरक्त आश्रम के महंत स्वामी जगन्नाथ महाराज ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस एक युवक को हिरासत में लेकर पूंछतांछ कर रही है। गत 25 मार्च को अज्ञात चोर विरक्त आश्रम से दो बैटरी चोरी करके फरार हो गए। चोरी की सूचना पर आश्रम के महंत ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना पाकर फैक्टरी एरिया पुलिस चौकी इंचार्ज राजवीर सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। उन्होंने बताया कि एक युवक को हिरासत में लेकर पूंछतांछ की जा रही है। घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

सेवा, सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि और सुशासन के बेमिसाल 8 साल

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मेयर सुषमा खर्कवाल संग की प्रेस वार्ता

2014 और 2017 रहे बदलाव के साल – सुषमा खर्कवाल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पूरे प्रदेश में आयोजित हो रही प्रदर्शनी व अन्य कार्यक्रमों की कड़ी में वृहस्पतिवार को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने महापौर लखनऊ सुषमा खर्कवाल के साथ अपने आशियाना स्थित आवास पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 11 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। पूरे प्रदेश में लगाई जा रही प्रदर्शनियों को विधायक ने निष्पक्षता और जबाबदेही का प्रमाण बताया। विधायक ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश के अलग अलग स्थानों पर सरकार के 40 से अधिक विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर जनता के सामने 8 साल में अपने कार्यों, योजनाओं और प्रस्तावों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जा रहा है।

यूपी की कानून व्यवस्था पूरी दुनिया में रोल मॉडल बनकर उभरी –

मीडियाकर्मियों के सवालों का जबाब देते हुए सरोजनीनगर विधायक ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 8 साल की उपलब्धियों को बेहतरीन गवर्नेंस का रोल मॉडल बताया। विधायक ने बताया कि यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, उत्तर प्रदश 11.6 % विकास दर के साथ आगे बढ़ रहा हो राष्ट्रीय औसत 9.5 से अधिक है। आज उत्तर प्रदेश का सालाना बजट 8.08 लाख करोड़ तक पहुँच गया है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण नयी योजनओं के लिए 2.25 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंस का आवंटन है। विधायक ने बताया मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के सीएम बने तो सबसे पहले कानून व्यवस्था पर काम किया। पिछले 8 साल में 22 हजार से ज्यादा अपराधी जेल भेजे गये, 222 से ज्यादा का एनकाउंटर हुआ, 142 अरब की संपत्ति अटैच हुई। आज उत्तर प्रदेश का लॉ एंड आर्डर मॉडल पूरे विश्व में रोल मॉडल है। इस प्रयासों का ही परिणाम रहा की राज्य में 42 लाख करोड़ से अधिक ने निवेश प्रस्ताव आये, जिनमे से 15 लाख करोड़ के प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। पहले यूपी के युवा को दूसरे राज्यों में अपनी पहचान छिपानी पड़ती थी, आज सब गर्व से कहते हैं हम उत्तर प्रदेश में रहते हैं।

सरोजनीनगर में आई 32 हजार करोड़ की परियोजनाएं –

विधायक डॉ. सिंह ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरोजनीनगर में 32236 करोड़ की 4118 छोटी-बड़ी परियोजनाओं को स्वीकृति प्राप्त हुई है। विधायक ने बताया रनियापुर में फॉरेन्सिक लैब, नौसेना युद्ध संग्रहालय, डी.आ.डी.ओ लैब, डिफेन्स कॉरीडोर, लिंक एक्सप्रेस-वे, 1200 से अधिक सड़कें लखनऊ, कानपुर एलिवेटेड हाई-वे निर्माण, ए.आई. सिटी, जिला मोहम्मदी ड्रेन की री-मॉडलिंग, शूटिंग रेंज, स्टेट कैपिटल रीजन, एयरो सिटी, सर्वाधिक सोलर उत्पादन क्षमता का सृजन, नींवा में आई.टी.आई., जैतीखेड़ा में एन.सी.डी.सी. सेंटर, भटगांव में डिफेंस कॉरीडोर, पिपरसण्ड में लखनऊ विश्वविद्यालय का कृषि कैम्पस, चकौली में फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी की स्थापना जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ सरोजनीनगर को प्राप्त हो रही हैं।

इन क्षेत्रों में यूपी बना नंबर 1

डॉ. सिंह ने उत्तर प्रदेश की उत्कर्ष उपलब्धियों का वर्णन करते हुए बताया प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 01 करोड़ 85 लाख निःशुल्क गैस कनेक्शन देकर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेण्डर्स को सर्वाधिक ऋण उपलब्ध करवाकर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में स्वच्छ शौचालयों का निर्माण कर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। 96 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों की स्थापना कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश 9 करोड़ 57 लाख खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत 6 करोड़ 52 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड 28 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 1 करोड 12 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव-2024 में 25 लाख 12 हजार 585 दीप प्रज्वलित कर पुनः गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज। उत्तर प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों तथा पर्यटकों को आकर्षित करने में देश में शीर्ष स्थान पर है। दिव्य एवं भव्य महाकुम्भ - 2025, 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान किया, संगम तट पर बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आभासी देश बना।

2014 और 2017 रहे बदलाव के साल – सुषमा खर्कवाल

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा वर्ष 2014 में भारत ने कांग्रेस और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश ने परिवारवादी समाजवादी पार्टी के शासन का अंत किया। इन बदलावों का परिणाम है कि आज कुम्भ जैसे आयोजन दिव्यता और भव्यता के साथ हो रहे हैं। देश और प्रदेश प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

जालसाजों ने बुजुर्ग को पेंशन दिलाने के बहाने कराया जमीन का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।नगराम के कमालपुर बिचलिका निवासी बुजुर्ग किसान राम कुमार ने डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल से उनके कार्यालय में मिलकर लिखित शिकायत देते हुये बताया था उसे वृद्वा अवस्था पेंशन दिलाने की बात कहकर जालसाज अरविंद सिंह निवासी राजाजीपुरम व पुष्पेन्द्र यादव निवासी पुरसेनी थाना मोहनलालगंज व आलोक कुमार निवासी कुशलीखेड़ा थाना मोहनलालगंज ने धोखे से मोहनलालगंज तहसील में बने उपनिबंधक कार्यालय मोहनलालगंज में ले जाकर उसकी जमीन का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करा लिया ओर इकरारनामें में दशार्यी गयी धनराशि भी नही दी।

मोहनलालगंज कोतवाली में तीन जालसाजो पर पीड़ित बुजुर्ग की शिकायत पर जांच के बाद डीसीपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

वही पूरे मामले की नगराम पुलिस से पूर्व में शिकायत कर कार्यवाही की मांग की जिसके बाद भी कोई कार्यवाही नही हुई डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने शिकायत को संज्ञान में लेकर तत्काल एसीपी मोहनलालगंज को जांच कर कार्यवाही के लिये रिपोट मांगी। जिसके बाद मोहनलालगंज एसीपी रजनीश वर्मा ने जांच कर आगे की कार्यवाही के लिये रिपोट दी डीसीपी ने मोहनलालगंज पुलिस को जालसाजों पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के आदेश दियें। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया बुजुर्ग किसान को पेंशन दिलाने का झांसा देकर उपनिबंधक कार्यालय मोहनलालगंज ले जाकर जमीन का रजिस्टर्ड इकरारनामा कराने वाले तीन जालसाजों के विरूद्व धोखाधड़ी व जालसाजी की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

कनकहा में वन विभाग के जगंल में लगी भीषण आग

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज क्षेत्र के कनकहा रेलवे स्टेशन के सामने स्थित वन विभाग के जगंल में गुरूवार की सुबह अचानक से भीषण आग लग गयी देखते ही देखते जगंल के बगल बने एक रिहायशी इलाके की तरफ आग बढने लगी ये देख घबराये लोगो ने मोहनलालगंज पुलिस समेत कन्ट्रोल रूम पर फोन कर जगंल में आग लगने की सूचना दी। जिसके बाद कनकहा चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे ओर थोड़ी ही देर में फायर बिग्रेड वाहन भी मौके पर पहुंची। जिसके बाद कर्मियो ने पानी की बौछार कर कई घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालाकि आग बुझने के बाद भी वनविभाग के जगंल से धुंये का गुब्बार देर रात तक उठता रहा।चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह ने बताया जगंल में लगी आग पर फायर बिग्रेड की मदद से काबू पाकर बुझा दिया गया है।

गर्मी शुरू होते ही तालाबों को भरवाने की कार्यवाही शुरू

ब्लाक में 241 तालाब ज्यादातर सूखे

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। ब्लाक के सूखे पड़े तालाबों को भरवाने की कवायद प्रशासन ने शुरू करा दी है। विदोखर मेदनी के भगवन तालाब को नहर के माध्यम से भरा जा रहा है। अन्य तालाबों को भरवाने के लिए प्रशासन संसाधनों की रिपोर्ट तैयार करने में जुट गया है। ब्लाक में 241 तालाब हैं। जिनमें ज्यादातर तालाबों में धूल उड़ रही है। सबसे बुरा हाल अमृत सरोवरों का है। ब्लाक में 28 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए हैं। दर्जनों तालाबों को अटल भूजल योजना के तहत बनाया गया है। सभी से पानी नदारत है। गर्मी का आगाज होते ही पशु पक्षी प्यास से बेहाल होने लगे हैं। पारा अभी से 40 डिग्री के इर्द गिर्द घूमने लगा है। लू के थपेड़े चलने से लोग दोपहर में निकलने से बचने लगे हैं। गर्मी के मद्देनजर रखकर प्रशासन ने तालाबों को भरवाने की कवायद शुरू की है। विदोखर मेदनी का भगवन तालाब अटल भूजल योजना से बनकर तैयार हुआ है। इसको बुधवार शाम से नहर से पानी लाकर भरने की कोशिश की जा रही है। अन्य तालाबों को भरने के लिये संसाधनों की सूची तैयार कराई जा रही है। एडीओ पंचायत सुरेश कुमार ने बताया कि तालाबों की रिपोर्ट ग्राम पंचायतवार ली जा रही है। जल्द ही सूखे तालाबो को भरवाने की प्रक्रिया शुरू कराएंगें।

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने पर चौरा देवी ग्राउंड में उत्तर प्रदेश : देश का ग्रोथ इंजन थीम पर तीसरे दिन आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

विधायक सदर रहे समापन दिवस के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, बतायीं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, स्टॉलों का किया निरीक्षण, लाभार्थियों को सौंपे प्रमाणपत्र

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर।सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन की नीति के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक 8 वर्ष पूर्ण होने एवं केंद्र सरकार के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, जनपद में त्रिदिवसीय जनपदीय विकास महोत्सव कार्यक्रम के तीसरे दिन /समापन दिवस में भी चौरा देवी ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीसरे दिन के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सदर डॉ मनोज कुमार प्रजापति जी रहे।

कार्यक्रम में विधायक सदर डॉ मनोज प्रजापति , राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अशोक कुमार तिवारी, जिलाधिकारी घनश्याम मीना, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हमीरपुर कुलदीप निषाद, ब्लॉक प्रमुख कुरारा ने देवी प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

इस दौरान उपस्थित अतिथियों व अन्य लोगों ने महाकुंभ पर आधारित एवं प्रदेश की 8 वर्ष की उपलब्धियो पर आधारित लघु फिल्म का अवलोकन किया । विभिन्न स्कूलों की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं लखनलाल सांस्कृतिक दल द्वारा प्रदेश सरकार की उपलब्धियो पर आधारित लोकगीत प्रस्तुत किया गया ।

इस मौके पर विधायक सदर व अन्य अतिथियों द्वारा विभिन्न विभाग के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र /प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का सम्मान , जिला विज्ञान क्लब द्वारा सम्मान, निपुण विद्यालयों के शिक्षकों का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं का सम्मान ,कौशल विकास मिशन के अंतर्गत सम्मानित किया गया।

इस दौरान विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार ने समाज के हर वर्ग के उत्थान, गरीब नौजवान एवं बेरोजगार को उनका अधिकार दिलाने, नारी सशक्तिकरण कि दिशा में नारी, सुरक्षा, स्वालम्बन एव सम्मान दिलाने प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क सहित समस्त आधारभूत सुविधाओं को मुहैया कराने तथा बिना किसी भेदभाव के जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर बिगत 08 वर्षो में जो परिणाम दिया है। वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय एवं एतिहासिक है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का हर नागरिक स्वंय को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। देश एवं विदेश के निवेशक एवं उद्योगपति बेहिचक उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे है। जिससे हमारे युवाओं को रोजगार के नये अवसर निरन्तर मिल रहे है। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आय के श्रोतो को बढाया और फालतू खर्चो पर पाबन्दी लगायी। फलस्वरूप हमारा प्रदेश आर्थिक रूप से मजबूत हुआ, जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार के साथ-साथ सभी आवश्यक सुविधायें मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विगत 08 वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का सुद्दढीकरण, विद्यालयों का सुद्दढीकरण एवं शिक्षा की गुणवत्ता, पुलिस व्यवस्था सहित विकास के हर क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से नीतियो को लागू कर बेहतरीन परिणाम मिला है। जिसका असर हम सभी को जमीना स्तर पर दिख रहा है। आज प्रदेश में पूरी तरह से अपराधमुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त एवं भयमुक्त समाज में हर व्यक्ति/व्यापारी अपने हुनर के हिसाब से कार्य कर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि,जिलाधिकारी घनश्याम मीना,मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला, अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ,अपर पुलिस अधीक्षक , भाजपा के ब्रज किशोर गुप्ता व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

शाहजहाँपुर के 10 गाँवों में स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिए ब्रिज कोर्स सेंटर का संचालन

अमन लेखनी समाचार

शाहजहाँपुर। पेस संस्था और गेम्स 24७7 फाउंडेशन के सहयोग से ब्लाक ददरौल और भावलखेड़ा के 10 गाँवों में स्कूल छोड़ चुके सात से 14 साल के बच्चों का सर्वेक्षण कराया गया है । सर्वेक्षण में उन बच्चों का चयन किया गया है, जो पिछले 45 दिनों से स्कूल नहीं जा रहे थे । इनके स्कूल न जाने के मुख्य कारणों में बाल मजदूरी और शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी सामने आई ।

स्कूल न जाने वाले इन बच्चों के साथ ग्राम स्तर पर ब्रिज कोर्स सेंटर का संचालन शुरू किया गया । सेंटर पर शिक्षक प्रतिदिन इन बच्चों को उनकी कक्षा के मुताबिक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं । इसके अलावा हर रोज ऐसे बच्चों के घर-परिवार का भ्रमण कर शिक्षक शिक्षा के प्रति जागरूकता की अलख भी जगा रहे हैं । इसमें समुदाय के सदस्य और ग्राम स्तर के हित धारक पूरा सहयोग कर रहे हैं। अगले महीने अप्रैल से इन बच्चों को ग्राम के स्कूल से जोड़ा जायेगा । इसके साथ ही ग्राम स्तर पर प्रतिदिन गृह भ्रमण कर बच्चों की निगरानी कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर बच्चा स्कूल में प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज कराये। इस कार्य में परियोजना समन्वयक विजय शंकर, ब्लाक समन्वयक सुशांत और अभिषेक सिंह की मुख्य भूमिका रही है ।

तीन व्यावसायिक सिलाई सेंटर का शुभारंभ

शाहजहाँपुर में पेस संस्था और गेम्स 24७ 7 फाउंडेशन के सहयोग से तीन व्यावसायिक सिलाई सेंटर का शुभारंभ किया गया है। यह केंद्र ब्लॉक ददरौल और भावलखेड़ा के तीन गाँवों में चलाए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य 15 से 20 साल की उम्र की बालिकाओं को सिलाई कौशल सिखाकर आत्मनिर्भर बनाना है। गेम्स 24७ 7 फाउंडेशन के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर सुहील सैयद और पेस संस्था की सचिव राजविंदर कौर ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुहील सैयद ने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वह सिलाई कौशल सीखकर अपने दैनिक जीवन में बदलाव ला सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। कार्यक्रम के तहत, लगभग 90 बालिकाओं का चयन किया गया है और उन्हें सिलाई सेंटर के माध्यम से सिलाई सिखाई जाएगी। इसके बाद, उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही समुदाय के सदस्यों और बालिकाओं के अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य में ग्राम स्तर के स्टेकहोल्डर, परियोजना समन्वयक विजय शंकर, ब्लॉक समन्वयक अभिषेक सिंह और सुशांत वर्मा की मुख्य भूमिका रही है।

60 हजार रुपए लेकर घर से निकले किसान का सदिग्धं परिस्थितियों में पड़ा मिला शव

पत्नी का आरोप जहर देकर पति की ली गई जान, सामान खरीदने के लिये ले गये साठ हजार रुपये भी गायब

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।निगोहां थाना क्षेत्र के पुरहिया गांव में साठ हजार रुपये लेकर सीमेंट सरिया लेने निकले एक किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके साथी के घर मे पड़ा मिला। सूचना पर पहुचे परिवारीजनो ने एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल में लेकर पहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से रुपए गयब मिले सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मृतक की पत्नी ने जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुये कार्यवाही की मांग की है।

निगोहा पुरहिया गांव निवासी संध्या तिवारी ने बताया कि उसके पति पवन तिवारी बुधवार सुबह 9 बजे सीमेंट सरिया लेने की बात कहकर घर से 60 हजार रुपये लेकर निकले थे वहीं देर शाम गांव के ही रामबली तिवारी की मां द्वारा उन्हें सूचना मिली कि तुम्हरा पति उसके घर मे बेसुध पड़े हुए है इस पर पहुंचे परिवारीजनो ने पवन को एम्बुलेंस की मदद से निगोहां के निजी अस्पताल लेकर पंहुचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवारीजनो ने कंट्रोल रूम पर पुलिस को सूचना दी पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के पास से रुपए गयब मिले मृतक की पत्नी ने जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए निगोहां पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है मृतक युवक नशे का आदी था।पीएम रिपोट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

आकांक्षा समिति की अध्यक्ष सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने एवं केंद्र सरकार के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में हुई सम्मिलित

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। बृहस्पतिवार को मंडलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्ष /आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल अजीत कुमार की धर्मपत्नी पूजा सिंह हमीरपुर मुख्यालय स्थित चौरादेवी प्रांगण में प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा और सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने एवं केंद्र सरकार के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं,कार्यक्रमों के बारे में पूछताछ की। इस मौके पर पुलिस विभाग ,पंचायत राज विभाग ,स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन आरोग्य योजना /आयुष्मान योजना , कृषि विभाग, वन विभाग , खादी ग्रामोद्योग ,उद्यान , आईसीडीएस , उद्योग विभाग ,महिला कल्याण विभाग , समाज कल्याण,सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, ओडीओपी,नगर पालिका, राज्यकर, लोक निर्माण विभाग ,बेसिक शिक्षा विभाग, दुग्ध विकास विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ,आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग, होम्योपैथी, पशुपालन, राजस्व ,पर्यटन ,एनआरएलएम, अर्थ एवं संख्या, आईटीआई, स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग , मत्स्य विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग ,बैंक आदि विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए। जिनका आकांक्षा समिति की अध्यक्ष ने निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भरायी की। इस मौके पर आकांक्षा समिति की अध्यक्ष पूजा सिंह ने आकांक्षा समिति स्टोर का भी उद्घाटन किया। इस आकांक्षा स्टोर में महिलाओं द्वारा निर्मित विभिन्न उपयोगी सामग्री को तैयार कर विक्रय किया जाएगा। इसमें विभिन्न उत्पाद यथा मिलेट्स /मोटे अनाज से निर्मित सामग्री दलिया ,मिष्ठान्न, आटा तथा अन्य उत्पाद , बेसन ,घरेलू उपयोगार्थ डलिया ,टोकरी आदि का विक्रय किया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए तथा कहा कि लड़का और लड़की में किसी प्रकार का भेदभाव ना करे। लड़कियो को लड़को की भांति समान अवसर दें तथा लड़कियों के प्रति अपनी सोच सकारात्मक रखें। कार्यक्रम में उन्होंने एनआरएलएम के तहत इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के तहत 60 लाख रुपए का संबंधित क्लस्टर को डेमो चेक प्रदान किया। निपुण भारत मिशन में अच्छा कार्य करने वाली बेसिक शिक्षा विभाग की महिला शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सीडीओ ,एडीएम न्यायिक एवं एडीएम वित्त एवं राजस्व ,पीडी तथा अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

पब्लिक प्लेस पर जब फील हो एलर्जी

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह
सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

मेरी उम्र 29 वर्ष है। जब भी मैं किसी भीड़-भाड़ वाली जगह पर जाता हूं, मुझे लगातार छींकें आने लगती हैं। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे बचा जाए?

-रितेश, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है, आपको धूल से एलर्जी है, क्योंकि आप जब घर से बाहर भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाते हैं तो वहां जो धूल उड़ती है, उससे आपको छींकें आना शुरू हो जाती हैं। यह समस्या तमाम लोगों में देखी जाती है। इससे बचाव के लिए बेहतर होगा कि आप जब ऐसे स्थान पर जाएं तो मास्क लाकर ही जाएं। इस उपाय को अपनाने से आपको आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी गर्दन से लेकर कंधे तक अकड़न बनी रहती है, साथ ही हल्का-हल्का दर्द भी होता रहता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-आर्यन, बिलासपुर

यह समस्या उन लोगों को ज्यादा होती है, जिनकी लंबी सिटिंग होती हैं यानी, ऑफिस में एक ही पोश्चर में लंबे समय तक बैठे रहते हैं। इसके स्थाई समाधान के लिए आपको रेग्युलर एक्सरसाइज करना पड़ेगा। सर्वाइकल की एक्सरसाइज कौन-कौन सी होती हैं यह जानने के लिए बेहतर होगा कि आप किसी फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क कर लें। वे आपको बताएंगे, उसके बाद नियमित रूप से सुबह-शाम एक्सरसाइज करें। साथ ही ऑफिस में लंबे समय तक एक ही पोश्चर में ना बैठें। बीच-बीच में मूवमेंट करते रहें। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 63 वर्ष है। दो-तीन महीने से बहुत स्ट्रेस फील कर रहा हूं। न अच्छी भूख लगती है, न ठीक से सो पाता हूं। कृपया बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए?

-कामेश्वर, भोपाल

आप अपनी परेशानी का कारण खुद ही बता रहे हैं। आप यह जानने की कोशिश करें कि जब से यह समस्या शुरू हुई है, उसके आस-पास जीवन में क्या ऐसा घटित हुआ है, जिससे स्ट्रेस हो रहा है। इसकी वजह क्या है? अगर जरूरत पड़े तो आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। इसे तरह स्ट्रेस से मुक्ति मिलेगी और आपको नींद भी आने लगेगी।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मैं हेयर ट्रांसप्लांट करवाना चाहता हूं। क्या यह सेफ है? इसके लिए मुझे क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? कृपया सजेस्ट करें।

-विभूति, रोहतक

आजकल हेयर ट्रांसप्लांट करने का चलन बढ़ा हुआ है, लेकिन आपके लिए कितना सेफ रहेगा, यह तो जांच करने के बाद ही पता चलेगा। आपकी स्किन कैसी है, आपको किसी चीज से एलर्जी तो नहीं है, जांच के बाद तय किया जा सकता है। बेहतर होगा कि आप किसी स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे आपको जांच के बाद बताएंगे कि आपके लिए ट्रांसप्लांट करवाना कितना उचित रहेगा।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे भूख बिल्कुल नहीं लगती है। पेट हमेशा भरा-भरा सा लगता है। कभी-कभी खट्टी डकारें भी आती हैं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-सखाराम, जींद

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित हो रही है। जिस वजह से आपको खट्टी डकार आती है और भूख कम लगती है। इसके लिए आप दोपहर के खाने में दही और सलाद जरूर शामिल करें। साथ ही तली-भुनी और ऑयली चीजें खाने से बचें। रात में हल्का खाना जैसे दलिया या खिचड़ी खाएं। साथ ही सुबह-शाम सैर जरूर करें। इससे आपको आराम मिलेगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

बाइपोलर डिसऑर्डर हेल्दी लाइफस्टाइल सही मेडिकल ट्रीटमेंट से मिलती है राहत

बाइपोलर डिसऑर्डर एक जटिल मेंटल डिजीज है। इसके होने की कई वजहें हो सकती हैं। लेकिन अगर इसके लक्षणों को ध्यान में रखते हुए सही लाइफस्टाइल को फॉलो किया जाए और जरूरत पड़ने पर मेडिकल ट्रीटमेंट करवाया जाए, साथ ही फैमिली सपोर्ट मिले तो इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इस रोग के बारे में आप भी विस्तार से जानिए।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. गौरव गुप्ता
डायरेक्टर-तुलसी हेल्थ केयर
नई दिल्ली-गुरुग्राम

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार द्विध्रुवीय विकार (बाइपोलर डिसऑर्डर) एक मनोरोग है, जिसमें पीड़ित व्यक्ति के मूड, ऊर्जा और उसकी कार्यक्षमता में बदलाव आता है। दूसरे शब्दों में कहें तो बाइपोलर डिसऑर्डर एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें मूड में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होते हैं। इस मनोरोग में उन्माद (मेनिया) और अवसाद (डिप्रेशन) सरीखी स्थितियां (मूड एपिसोड्स) भी शामिल हैं। ऐसे मूड एपिसोड कई दिनों से लेकर हफ्तों तक रह सकते हैं।

क्या हैं कारण

बाइपोलर डिसऑर्डर के कई संभावित कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

न्यूरोकेमिकल में असंतुलनः मस्तिष्क रसायनों (न्यूरोकेमिकल्स) जैसे डोपामाइन और सेरोटोनिन आदि में असंतुलन बाइपोलर डिसऑर्डर की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं।

आनुवांशिक कारकः अगर परिवार के किसी सदस्य को बाइपोलर डिसऑर्डर रहा है, तो परिवार के अन्य सदस्य में इसके होने का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार बाइपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित लगभग 60% मरीज ऐसे हैं, जिन्हें डिप्रेशन या बाइपोलर डिसऑर्डर की समस्या जेनेटिक कारणों से मिली है।

तनावपूर्ण घटनाएंः इसके अंतर्गत जीवन की गंभीर तनावपूर्ण घटनाएं जैसे किसी रिश्ते का टूटना, गंभीर बीमारी या कोई भावनात्मक समस्या आदि शामिल की जाती हैं, जो बाइपोलर डिसऑर्डर का कारण बन सकती हैं। भावनात्मक समस्या में आपसी संबंधों का बिगड़ना, पति-पत्नी के बीच तलाक होना, परिवार में किसी प्रियजन की मृत्यु होना आदि को शामिल किया जा सकता है।

मस्तिष्क की संरचना में बदलावः ब्रेन इमेजिंग अध्ययनों से पता चला है कि बाइपोलर डिसऑर्डर से ग्रस्त लोगों के मस्तिष्क में संरचनात्मक परिवर्तन हो सकते हैं।

बाइपोलर डिसऑर्डर के लक्षण

पीड़ित व्यक्ति कभी-कभी बहुत ज्यादा निराश, उदास और दुखी महसूस करता है। ऐसे लक्षण मनोरोग अवसाद (डिप्रेशन) से मिलते-जुलते होते हैं। कभी-कभी वह बहुत ज्यादा प्रफुल्लित और स्वयं को असाधारण रूप से ऊर्जावान महसूस करता है। ऐसे लक्षण मनोरोग उन्माद (मेनिया) सरीखे होते हैं। उन्माद और अवसाद की स्थितियों (एपिसोड्स) के बीच मूड में अचानक और तीव्र बदलाव होना। इस स्थिति को मनोचिकित्सकीय भाषा में 'मूड स्विंग्स' कहते हैं। इनके अलावा अपनी क्षमताओं के बारे में गलतफहमी रखना, तेज गति से सोचना और बोलना, गलत फैसले लेना, नींद बहुत कम आना, चिड़चिड़ापन महसूस करना, स्वयं को बहुत ज्यादा महत्व देना या फिर अपने को श्रेष्ठ समझना भी इसके लक्षणों में शामिल हो सकता है।

ऐसे करते हैं डायग्नोसिस

बाइपोलर डिसऑर्डर का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर सबसे पहले मरीज से बात करते हैं, उसके बाद उसके परिजनों से भी। इसके अलावा डॉक्टर मरीज की अन्य बीमारियों का पता लगाने के लिए कंप्लीट फिजिकल टेस्ट भी करवा सकते हैं ताकि उसके लक्षणों का पता लगाया जा सके। साथ ही, मरीज की मेडिकल हिस्ट्री और फैमिली हिस्ट्री आदि के जरिए भी डॉक्टर मर्ज का पता लगाते हैं।

ट्रीटमेंट के तरीके

यह सच है कि फिलहाल बाइपोलर डिसऑर्डर का कोई स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई दवाएं लेने और उनके परामर्श पर अमल करने से बाइपोलर डिसऑर्डर का प्रबंधन और नियंत्रण जरूर किया जा सकता है, जिससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। विशेषज्ञ डॉक्टर विशेषकर मनोचिकित्सक कुछ दवाओं के सेवन का सुझाव दे सकते हैं, जिन्हें 'मूड स्टेबलाइजर्स' के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा चिकित्सक के परामर्श से एंटीडिप्रेसेंट दवाएं भी मूड स्विंग को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं।

मनोचिकित्सा (साइकोथेरेपी): मनोचिकित्सक मरीज की स्थिति के अनुसार साइकोथेरेपी का सहारा लेते हैं। मरीज के अलावा वे परिवार के सदस्यों की भी काउंसलिंग करते हैं। इसके अलावा कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी) बाइपोलर डिसऑर्डर के लक्षणों को प्रबंधित करने में सहायक है।

जीवनशैली में बदलावः यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के मुताबिक बाइपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों को जहां तक संभव हो सके, स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें अपनी समस्या को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। यही नहीं, जो लोग बाइपोलर डिसऑर्डर से ग्रस्त नहीं हैं, वे भी अगर स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल करें तो इससे उनमें भी इस समस्या के भविष्य में होने का जोखिम काफी हद तक कम हो सकता है। स्वास्थ्यकर जीवनशैली के अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, नियमित रूप से व्यायाम, 6 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लेना और तनाव का समुचित प्रबंधन आदि बातें शामिल हैं।

नियमित व्यायाम करें: नियमित व्यायाम, बाइपोलर डिसऑर्डर पेशेंट्स के मूड को स्थिर करने में मदद कर सकता है। किस व्यक्ति को कितने समय तक और किस-किस प्रकार के व्यायाम करना चाहिए, इस संदर्भ में पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना चाहिए। इसके अलावा मेडिटेशन भी फायदेमंद हो सकता है।

पर्याप्त नींद जरूरीः बाइपोलर डिसऑर्डर किसी व्यक्ति की नींद उड़ा सकता है। ऐसा व्यक्ति बहुत कम सोता है। नींद पूरी न होने से मूड में बदलाव ज्यादा आता है। इसलिए मूड को प्रबंधित करने के लिए पर्याप्त नींद लेना आवश्यक है। इसके लिए नियमित समय पर बिस्तर पर जाने और सुबह एक निश्चित समय पर उठने की आदत डालें। सोने से पहले स्क्रीन टाइम यानी टेलीविजन देखने, स्मार्टफोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल से दूर रहें। जिन लोगों को सोने में कठिनाई होती है, उन्हें डॉक्टर से बात करनी चाहिए। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

इन बातों का रखें ध्यान

- परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं और उनसे मदद लें।
- सकारात्मक सोच रखें।
- तनाव और चिंता को नियंत्रित करने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।
- शराब और अन्य मादक पदार्थों का सेवन न करें, क्योंकि वे आपकी समस्या को बढ़ा सकते हैं।

स्पेशलः वर्ल्ड ऑटिज्म अवेयरनेस डे, 2 अप्रैल

ऑटिज्म एक विकास संबंधी एब्नॉर्मलिटी है, जिससे पीड़ित व्यक्ति को बातचीत करने, पढ़ने-लिखने और दूसरों से घुलने-मिलने में परेशानी होती है। ऐसे बच्चों की केयर पैरेंट्स को बहुत सावधानी से करने की जरूरत होती है। इस बारे में बहुत जरूरी सजेशंस।

ऑटिज्म पेशेंट के लिए जरूरी सही ट्रीटमेंट-इमोशनल सपोर्ट

अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

ऑटिज्म को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर भी कहते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जिससे पीड़ित व्यक्ति का दिमाग अन्य लोगों के दिमाग की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। इस बीमारी के बारे में अभी तक बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है और न ही वर्तमान में इसका कोई परफेक्ट ट्रीटमेंट उपलब्ध है। हालांकि इस बीमारी से पीड़ित लोग नौकरी करने, परिवार और दोस्तों के साथ मेल-मिलाप करने में सक्षम होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। फैमिली मेंबर्स, टीचर्स या दोस्तों के सहयोग से ये लोग भी नई स्किल्स सीख लेते हैं और बिना किसी सपोर्ट के अपने काम भी कर लेते हैं। सही डायग्नोसिस और इंटरवेंशन ट्रीटमेंट की मदद से ऑटिस्टिक लोगों को सामाजिक व्यवहार और नई स्किल्स सीखने में मदद मिलती है, जिससे वे अपना जीवन बेहतर तरीके से जी पाते हैं।

ऑटिज्म की वजह से बच्चे के मस्तिष्क के काम करने के तरीके में एक अंतर आ जाता है, जो यह तय करता है कि वह अपने आस-पास की दुनिया के साथ कैसे रिस्पॉन्स करता है। यह अंतर कुछ ऐसा है जिसके साथ वे पैदा होते हैं-इसका उनके पालन-पोषण के तरीके, भोजन, टीके या जन्म के बाद बच्चे के साथ हुई किसी भी अन्य एक्टिविटी से कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

क्या है ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डरः ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एक न्यूरोलॉजिकल और डेवेलपमेंटल डिसऑर्डर है, जो लोगों के दूसरों के साथ बातचीत करने, संवाद करने, सीखने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। इसके लक्षण आमतौर पर जीवन के पहले दो वर्षों यानी बचपन में दिखाई देते हैं। ऑटिज्म बच्चे के मस्तिष्क के काम करने के तरीके में एक अंतर लाता है, जो उन्हें सामाजिक रूप से घुलने-मिलने और अनोखे तरीके से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रमुख लक्षणः इसके प्रमुख लक्षणों में लिमिटेड आइज कॉन्टेक्ट, एब्नॉर्मल बॉडी लैंग्वेज और रिपीटेटिव बिहेवियर या बातें शामिल होते हैं। इसके अलावा अकेले रहना, दूसरे बच्चों के साथ ना खेलना, बोलने के बजाय इशारों से ज्यादा रिस्पॉन्स करना। खुद को चोट लगाना या नुकसान पहुंचाने के प्रयास करना। इस स्थिति के शुरुआती लक्षण माता-पिता या बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चे के एक वर्ष की आयु तक पहुंचने से पहले ही देखे जा सकते हैं। कुछ मामलों में, ऑटिज्म से संबंधित समस्याएं हल्की हो सकती हैं और तब तक स्पष्ट नहीं होती हैं जब तक कि बच्चा स्कूल जाना शुरू नहीं करता।

इससे बढ़ता है रिस्कः नई मेडिकल स्टडीज के अनुसार कई आनुवंशिक कारक ऑटिज्म के जोखिम को जटिल तरीके से बढ़ा सकते हैं। फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम और ट्यूबरस स्क्लेरोसिस जैसी कुछ विशिष्ट आनुवंशिक स्थितियों वाले लोगों में ऑटिज्म के निदान के लिए जोखिम अधिक होता है। ये दो स्थितियां ऑटिज्म के सैकड़ों अलग-अलग दुर्लभ आनुवंशिक कारणों के साथ मिलकर 30% से अधिक मामलों की व्याख्या करती हैं। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान मां द्वारा ली जाने वाली कुछ दवाइयां जैसे कि वैल्प्रोइक एसिड और थैलिडोमाइड, ऑटिज्म के हाई रिस्क से भी जुड़ी हुई हैं। गर्भावस्था के समय माता-पिता का अधिक उम्र का होना भी ऑटिज्म के अधिक जोखिम से जुड़ा हुआ है।

इलाज के तरीकेः ऐसे कई प्रभावी तरीके हैं, जो ऑटिस्टिक बच्चे को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद कर सकते हैं।

अप्लाइड बिहेवियर एनालिसिसः इसमें बच्चे की कार्यात्मक चुनौतियों का व्यवस्थित अध्ययन शामिल है, जिसका उपयोग उनके स्किल में सुधार और मिसबिहेव को कम करने के लिए एक बिहेवियरल प्लानिंग बनाने के लिए किया जाता है।

सोशल स्किल ट्रेनिंगः ग्रुप या पर्सनल सेटिंग में किया गया यह प्रयास ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों को सामाजिक स्थितियों में नेविगेट करने की उनकी क्षमता में सुधार करने में मदद करता है।

वर्बल-लैंग्वेज ट्रीटमेंटः बच्चे के बोलने के तरीके और उसकी भाषा की समझ में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है।

पैरेंटल मैनेजमेंट ट्रेनिंगः इसमें पैरेंट्स को अपने ऑटिस्टिक बच्चे के एब्नॉर्मल बिहेव पर सही प्रतिक्रिया करने और अपने बच्चे में उचित व्यवहार को प्रोत्साहित करने के प्रभावी तरीके सिखाए जाते हैं। पैरेंटल हेल्प ग्रुप्स, पैरेंट्स को ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे की परवरिश के तनाव से निपटने में मदद करते हैं। *

(मनोचिकित्सक डॉ.संजय गर्ग और मनोविज्ञानी डॉ.रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

पैरेंट्स रखें ध्यान

- ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिजीज के बारे में जितना संभव हो उतना जानें।
- ऑटिज्म से पीड़ित अपने बच्चे को अच्छी और बैलेंस्ड डेली रूटीन फॉलो करने के लिए इंस्पायर करें।
- ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के अन्य पैरेंट्स और अपने समुदाय के रिसोर्सेस से जुड़ें।
- जरूरत पड़ने पर मेडिकल एक्सपर्ट से कंसल्ट करें।
- बच्चे के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय निकालें।
- अपने बच्चे की शिक्षा और उपचार से संबंधित अवेयरनेस को बढ़ाएं।

जब भी सूखे मेवे यानी ड्राय फ्रूट्स की बात आती है तो सबसे पहले बादाम का नाम लिया जाता है। वजह है इसमें मौजूद बेशुमार स्वास्थ्यवर्धक गुण। यह किस तरह से हमारे लिए फायदेमंद है, आपको जरूर जानना चाहिए।

हेल्थ के लिए भरपूर फायदेमंद नट है बादाम

डाइट

राजकुमार 'दिनकर'

बादाम के पोषण के स्तर को देखते हुए पाक कला में सदियों से इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके सेवन का इतिहास हजारों साल पुराना है। बादाम मीठे और कड़वे दो तरह के होते हैं। कड़वे बादाम की कड़वाहट निकालने के बाद उसके तेल का इस्तेमाल खाने में किया जाता है। कड़वे बादाम के फूल सफेद होते हैं और मीठे बादाम के फूल गुलाबी होते हैं। कड़वे बादाम और मीठे बादाम की रासायनिक संरचना समान होती है। बादाम का फल जब पकता है तो यह खुद ही खुल जाता है और उससे यह नट बाहर आ जाता है। बादाम के बीज कठोर छिलकों के अंदर होते हैं।

होते हैं कई पोषक तत्वः पोषक तत्वों से भरपूर बादाम में विटामिन बी1, फोलेट, विटामिन बी3, नियासिन, बी कॉम्प्लेक्स और मैग्नीज भरपूर मात्रा में होता है। 28 ग्राम यानी एक औंस बादाम में 183 कैलोरी, 5.82 ग्राम प्रोटीन, 2.94 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 16.4 ग्राम फैट, 3.4 ग्राम फाइबर, 7.3 मिलीग्राम विटामिन ई पाया जाता है।

कई तरह से लाभकारीः बादाम हमारी मस्तिष्क और तंत्रिका प्रणाली को मजबूत बनाकर याद्दाश्त को अच्छा बनाता है। बादाम में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने का गुण होता है। यह एलडीएल और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के बीच संतुलन बनाकर रखता है। इसमें मौजूद फॉस्फोरस हमारी हृदय गति को सामान्य बनाए रखता है। इसका ग्लासेमिक इंडेक्स कम होता है। यह हमारी रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ने से रोकता है। मैग्नीशियम और मैग्नीज से भरपूर होने के कारण यह हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है। यह हमारे शरीर के वजन को भी नियंत्रित करके मोटापे के जोखिम को कम करता है। इसमें मौजूद आर्जीनिन एक ऐसा अमीनो एसिड है, जो रक्तप्रवाह को नियमित करता है और इससे हमारी मांसपेशियों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते हैं। विटामिन-ई से भरपूर बादाम त्वचा की नमी को लॉक करके हमें जवां और खूबसूरत बनाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बालों की ग्रोथ को बढ़ाते हैं। फास्फोरस युक्त बादाम एसिडिटी को नियंत्रित करता है और शरीर में टीएच लेवल को बनाकर रखता है। आयरन से भरपूर बादाम हमारे शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं के विकास को बढ़ाता है और एनीमिया में बहुत फायदेमंद होता है।

ऐसे करें सेवनः बादाम दुनिया में सबसे पुराना और सबसे ज्यादा उगाया जाने वाला नट है। बादाम को साबुत भूनकर या तलकर खाया जाता है। बादाम का छिलका पचाना चूंकि मुश्किल होता है, इसलिए आयुर्वेद इन्हें उबालकर पकाने के बाद खाने की सलाह देता है। इनको अगर भिगोकर खाया जाए तो यह जल्दी पचते हैं। इन्हें बिना भिगोए कच्चा नहीं खाना चाहिए। रात भर भिगोकर, छिलका उताकर इन्हें खाना चाहिए। बादाम मिल्क शेक या बादाम को अन्य फ्रूट्स के साथ मिलाकर इनकी स्मूदी बनाई जा सकती है। अखरोट, सूरजमुखी के बीज, खजूर, मखाना, किशमिश के साथ मिलाकर अलग-अलग तरह के अनाजों के साथ खा सकते हैं। इसके अलावा बादाम का शीरा, बादाम का हलवा, बादाम की बर्फी, बादाम कतली, बादाम की चटनी, बादाम का दूध, बादाम-खजूर मिल्क शेक, बादाम केला स्मूदी का सेवन किया जा सकता है। *

पीएम की ईदी

प्रधानमंत्री मोदी मुसलमानों में ईदी की सौगात बंटवा रहे हैं। इसे सौगात-ए-मोदी नाम दिया गया है। सौगात के तौर पर एक विशेष किट में महिलाओं के सूट का कपड़ा, मर्दों के लिए कुर्ता-पायजामा, सेवइयां, खजूर, मेवे, चीनी और चावल रखे गए हैं। किट पर प्रधानमंत्री मोदी का चित्र प्रमुखता से उसी तरह छापा गया है, जिस तरह मुफ्त अनाज वाली योजना के बैग पर छपा है। अलबत्ता प्रधानमंत्री के साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कुछ टोपीधारी मुस्लिम चेहरे भी छापे गए हैं। किट पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का नाम भी छपा है। प्रधानमंत्री के इस प्रयास के जरिए भाजपा की निगाहें 32 लाख गरीब मुसलमानों पर टिकी हैं। पार्टी के करीब 32,000 पदाधिकारी इतनी ही मस्जिदों के संपर्क में हैं, ताकि पात्र मुसलमान को चिह्नित किया जा सके।